RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

दूसरे सोमवार को शिवालयों में लगा शिवभक्तों का तांता

नोएडा (चेतना मंच)। आज श्रावण मास के दूसरे सोमवार को नोएडा के शिव मंदिरों में भक्तों की जलाभिषेक के लिए लम्बी-लम्बी कतारें लगी रही। सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-20 के हनुमान मंदिर, सेक्टर-4 के लाल मंदिर, सेक्टर-12 के कलरिया बाबा मंदिर, सेक्टर-57 के लक्ष्मी नारायण मंदिर, सेक्टर-22 के शिव मंदिर समेत शहर के छोटे-बड़े सभी मंदिरों में सुबह से ही जलाभिषेक का तांता लगा रहा। जगह-जगह भीड़ के मद्देनजर पुलिस की भी व्यवस्था थी। उधर प्रमुख मंदिरों में कांवडियों के लिए भी खान-पान व आराम करने की विशेष व्यवस्था की गई है।

तीन छात्रों की मौत के बाद बड़ी कार्यवाही

राजेन्द्र नगर में 'बुल्डोजर एक्शन'

● बेसमेंट मालिक समेत 5 गिरफ्तार, जेई बर्खास्त एई निलंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के राजेंद्र नगर में राव आईएएस कोचिंग के बेसमेंट में डूबकर 3 छात्रों की मौत के बाद प्रशासन एक्शन शुरू कर दिया है। कोचिंग के आसपास अतिक्रमण हटाने के लिए 5 बुलडोजर पहुंच गए हैं। इसके लिए दिल्ली नगर निगम की टीम राव आईएएस कोचिंग पहुंच गई है। एक्शन से पहले MCD ने दिल्ली पुलिस से कार्रवाई के लिए अनुमति मांगी थी, जिस पर पुलिस ने इजाजत दे दी है। वहीं, प्रशासन ने एक्शन लेते हुए जूनियर इंजीनियर को बर्खास्त कर दिया है। साथ ही सहायक इंजीनियर को भी सस्पेंड कर दिया गया है। मामले में कमिश्नर ने फील्ड स्टाफ की तरफ से खामियां देखी जा रही हैं। इस घटना के बाद भाजपा के नेताओं ने आम आदमी पार्टी के खिलाफ प्रदर्शन भी किया है। इस भयानक हादसे के बाद सोमवार सुबह अतिक्रमण हटाने पहुंचे एमसीडी के अधिकारी मीडिया के सवालों से बचते हुए दिखे। अधिकतर अफसर कन्नी काटते ही नजर आए।

दिल्ली के ओल्ड राजेंद्रनगर में कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने के बाद हुई मौत के मामले में 5 और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अरेस्ट किए गए लोगों में बेसमेंट के मालिक और एक व्यक्ति शामिल है, जिसने व्हीकल (थार) चलाया था और इमारत के गेट को नुकसान पहुंचा है। इन गिरफ्तारियों के साथ, मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की तादाद 7 हो गई है। पुलिस ने कहा कि हम मामले में शामिल (शेष पृष्ठ-4 पर)

छात्रा को ले गया वृंदावन, शादी का किया नाटक, फिर की गंदी हरकत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। छात्रा को घुमाने के बहाने वृंदावन ले जाकर उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास करने के आरोप में थाना बीटा-2 में मुकदमा दर्ज कराया गया है। छात्रा का आरोप है कि शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करने पर युवक ने उसके साथ मारपीट भी की।

पीड़ित कोमल (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह ग्रेटर नोएडा की एक यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रही है। यूनिवर्सिटी के जिम में उसकी पहचान दीपक कुमार से हुई धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती हो गई। दीपक कुमार उसे 1 जनवरी 2024 को बहला फुसलाकर अपने साथ मंदिर दर्शन कराने के लिए वृंदावन ले गया। मंदिर में दर्शन करने के दौरान उसने उसे माला पहनाई और टीका लगाया।

दीपक ने कहा कि अब उनकी शादी हो गई है। दर्शन करने के बाद दीपक ने वृंदावन में एक होटल में कमरा बुक किया। होटल में रुकने के दौरान दीपक ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास किया। उसके इनकार करने पर आरोपी ने आश्वासन दिया कि वह जल्द ही सामाजिक रूप से उसके साथ शादी कर लेगा। शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करने पर दीपक ने उसके साथ होटल के कमरे में जमकर मारपीट की। इसके बाद वह उसे ग्रेटर नोएडा लेकर वापस आ गया। कोमल के मुताबिक दीपक इस घटना के बाद से लगातार उस पर शारीरिक संबंध बनाने का दवाब बना रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

घर से गई 3 किशोरियां वापस नहीं लौटी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में अलग-अलग स्थानों से एक किशोर व तीन किशोरियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

थाना बादलपुर क्षेत्र के ग्राम खेड़ा धर्मपुरा निवासी शैलेंद्र झा ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उनका (14 वर्षीय) बेटा 26 जुलाई को घर से बिना बताए चला गया। उन्होंने अपने बेटे की काफी तलाश की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।

थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र के हबीबपुर गांव से (16 वर्षीय) किशोरी को एक युवक बहला फुसलाकर भगा ले गया। किशोरी की मां ने बताया कि उनकी बेटी 26 जुलाई को घर से बिना बताए चली गई। उन्होंने आसपास उसकी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। किशोरी की मां ने अज्ञात युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। थाना सूरजपुर क्षेत्र के भूड़ कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपनी (15 वर्षीय) बेटी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रवेश (काल्पनिक नाम) ने बताया कि 21 जुलाई को उसकी बेटी घर से बिना बताए चली गई। उन्होंने पड़ोस में रहने वाले अवशेष शर्मा पर अपनी बेटी को बहला फुसलाकर कर भगा ले जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के गिझोड गांव में किराए पर रहने वाली पूजा (काल्पनिक नाम) ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 27 जुलाई को उनकी 16 वर्षीय बेटी घर से काम करने (शेष पृष्ठ-4 पर)

कांवड़ियों से टच हुई गाजियाबाद पुलिस की जीप जमकर काटा बवाल

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद में एक बार फिर कांवड़ियों ने उत्पात मचाया और तोड़फोड़ की। इतना ही नहीं गुस्साए कांवड़ियों ने पुलिस की गाड़ी ही पलट दी। बताया जा रहा है यह बवाल कांवड़ियों ने इसलिए काटा क्योंकि पुलिस की गाड़ी कांवड़िए से टकरा गई थी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराया।

मिली जानकारी के मुताबिक गाजियाबाद के मधुबन बापूधाम थाना क्षेत्र में दुहाई मेट्रो स्टेशन के पास कांवड़ियों ने पुलिस की गाड़ी के साथ तोड़-फोड़ की है। इतना ही नहीं गुस्साए कांवड़ियों ने गाड़ी को पलट दिया। बता दें कि सोशल मीडिया पर कांवड़ियों के हंगामे का वीडियो खूब वायरल हो रहा है। आज (29 जुलाई) को सावन का दूसरा सोमवार है। सोमवार को गाजियाबाद के मधुबन बापूधाम थाना क्षेत्र के दुहाई मेट्रो स्टेशन के पास कांवड़ियों ने खूब हंगामा किया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

क्राइम फाईल

ऑफिस में घुसकर दादरी मंडी निरीक्षक पर हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मंडी समिति दादरी के मंडी निरीक्षक के कार्यालय में घुसकर दो युवकों ने हमला कर दिया। युवकों ने मंडी निरीक्षक के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। मंडी निरीक्षक की शिकायत पर थाना दादरी पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ग्राम आलमगीरपुर थाना परीक्षितगढ़ जनपद मेरठ निवासी नरेश कुमार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह वर्तमान में मंडी समिति दादरी में मंडी निरीक्षक के पद पर तैनात है। 28 जुलाई को मंडी समिति दादरी के कार्यालय में वह आढ़ती विक्रम सिंह के साथ बैठे हुए थे। इस दौरान दो युवक उसके कार्यालय में आए और उन्हें देखकर वापस चले गए। कुछ देर बाद विक्रम सिंह भी उनके पास से उठकर चले गए। (शेष पृष्ठ-4 पर)

दहेज के लिए विवाहिता का उत्पीड़न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर में एक महिला ने दहेज के लिए उत्पीड़ित करने के आरोप में अपने पति सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उसका देवर भी उस पर गंदी नजर रखता था। कस्बा जेवर की रहने वाली प्रिया (काल्पनिक नाम) ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी 19 फरवरी 2022 को गुरु नानक पुरा मोदीनगर जनपद गाजियाबाद निवासी कपिल वर्मा के साथ हुई थी। शादी के समय उसके पिता ने अपनी हैसियत अनुसार दान दहेज दिया था। शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल वालों ने उसे कम दहेज लाने का ताना मारना शुरू कर दिया। उसका पति कपिल वर्मा, सास कमलेश, देवर विपुल व मामा बलराम अक्सर उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। उसका पति व ससुराल वाले उस पर मायके से 2 लाख रुपए व कार लाने का (शेष पृष्ठ-4 पर)

ग्रेनो वेस्ट में भी बने श्री चित्रगुप्त का मंदिर

वन एवं पर्यावरण मंत्री से चित्रांश परिवारों ने की मांग, मिला आश्वासन

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में भगवान चित्रगुप्त का मंदिर बनाने के लिए चित्रांश परिवारों ने राज्य के वन एवं पर्यावरण मंत्री डा. अरूण सक्सेना से मुलाकात की तथा उनसे मंदिर के लिए भूमि आवंटित करवाने का अनुरोध किया। मंत्री डा. अरूण सक्सेना ने चित्रांश परिवारों को आश्वासन दिया कि इस संबंध में उनकी मांग को सरकार के (शेष पृष्ठ-4 पर)

आम आदमी पार्टी का विरोध प्रदर्शन कल

नोएडा (चेतना मंच)। आम आदमी पार्टी के संयोजक तथा दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हो रहे उत्पीड़न के खिलाफ आम आदमी पार्टी कल सेक्टर-19 स्थित नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन करेगी। यह जानकारी आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने दी।

श्री अवाना ने बताया कि कल प्रात: 10.30 बजे पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे। यह प्रदर्शन अरविंद केजरीवाल की अवैध गिरफ्तारी तथा उनके स्वास्थ्य के साथ किये जा रहे खिलवाड़ के खिलाफ किया जाएगा।

संसद घेराव को सैकड़ों कांग्रेसी दिल्ली रवाना

नोएडा (चेतना मंच)। आज नोएडा से सेक्टर-9 बांस बल्ली मार्केट से सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अन्तर्राष्ट्रीय शूटर तथा कांग्रेस नेत्री पूनम पंडित के नेतृत्व में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस द्वारा आयोजित महिला आरक्षण विधेयक को तुरंत लागू करने और इसमें ओबीसी महिलाओं को शामिल करने एवं बढ़ती महंगाई से राहत और महिला सुरक्षा की मांग को लेकर संसद घेराव के लिए कूच किया। इस दौरान मुख्य रूप से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता (शेष पृष्ठ-4 पर)

डेयरी की गंदगी का विरोध करना पड़ा भारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पशुओं की डेयरी की वजह से हो रही गंदगी का विरोध करना पड़ोसी को खासा महंगा पड़ा। डेयरी संचालक ने अपने बेटों के साथ मिलकर पड़ोसी व उसके परिजनों की पिटाई कर दी। पीड़ित ने थाना बादलपुर में मुकदमा दर्ज कराया है। छपरौला साईं लोक निवासी चंद्रवीर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके घर के सामने रतन सिंह की पशुओं की डेयरी है। डेयरी की वजह से उसके घर के सामने अक्सर पशुओं का गोबर वी गंदा पानी इकट्ठा हो जाता है। उसने रतन सिंह से गंदगी न फैलाने को कहा तो वह गाली गलौज पर उतर आया। उसके विरोध करने पर रतन सिंह अपने बेटे हरेंद्र, (शेष पृष्ठ-4 पर)

श्री दूधेश्वर नाथ मंदिर में ब्रह्ममुहूर्त से भक्तों की कतार

गाजियाबाद (चेतना मंच)। ऐतिहासिक सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर में सावन के दूसरे सोमवार को देश भर के श्रद्धालु भगवान की पूजा-अर्चना के लिए लाईनों में लगे हुए हैं। मंदिर परिसर ही नहीं आसपास का क्षेत्र भी भगवान दूधेश्वर, हर-हर महादेव व बोल बम के जयकारों से गुंजायमान हो रहा है। मंदिर में सावन के दूसरे सोमवार के जलाभिषेक का सिलसिला तो रात्रि 12 बजे से शुरू हुआ, मगर भक्तों की लाईन रात्रि 10 बजे से ही लगने लगी थी।

मंदिर के पीठाधीश्वर, श्रीपंच दशनाम जूना अखाडा के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता, दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व हिंदू यूनाइटिड फ्रंट के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरी महाराज ने सबसे पहले भगवान दूधेश्वर की पूजा-अर्चना की व जलाभिषेक किया। मंदिर में विराजमान सभी देवी-देवताओं व गुरू मूर्तियों तथा सिद्ध संतों की समाधि की पूजा-अर्चना की और उसके बाद मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गए। 3 बजे भगवान का श्रृंगार व आरती हुई। आचार्य तयोराज उपाध्याय रूद्राभिषेक कराया। आरती देवी मंदिर के महंत गिरिशानंद गिरि महाराज ने की। धूप आरती व दीप आरती के बाद भगवान के जलाभिषेक का सिलसिला पुन: प्रारंभ हुआ। मंदिर में हजारों कांवडिएं भी पूजा-अर्चना कर गंगाजल लेने के लिए रवाना हो रहे हैं। भक्तोंकी लाईन जस्सीपुरा मोड से भी आगे तक पहुंच गई। भक्त भगवान की पूजा-अर्चनाव जलाभिषेककर महाराजश्री का आशीर्वाद भी ले रहे हैं। श्रीमहंत नारायण गिरी महाराज ने कहा कि शास्त्रों में सावन का महीना भगवान शिव का प्रिय माह बताया गया है। दरअसल सावन माह चातुर्मास मास के चार माहों में से एक माह है। चातुर्मास में भगवान विष्णु के योगनिंद्रा में रहते से दौरान भगवान शिव ही पालनकर्ता होते हैं और वहीं भगवान विष्णु के भी कामों को भी देखते हैं। यानि सावन के महीने में त्रिदेवों की सारी शक्तियां भगवान शिव के पास ही होती हैं। (शेष पृष्ठ-4 पर)

जहरीला भूजल

हमारे नीति-नियंता लगातार आ रहे उन विभिन्न संकेतों और सर्वेक्षणों को नजरअंदाज करते रहे हैं, जो बताते रहे हैं कि पंजाब में भूजल लगातार जहरीला होता जा रहा है। यह जानते हुए भी कि भूजल में जहरीली धातुओं और प्रदूषकों की उपस्थिति खतरनाक स्तर तक जा पहुंची है। निस्संदेह, इस बाबत किसी प्रमाणिक जांच में बेहद कम प्रगति देखी गई है। दरअसल, पंजाब कई दशकों से इस संकट से लगातार पीड़ित है। लेकिन एक हालिया चौंकाने वाली रिपोर्ट बताती है कि पंजाब के भूजल में नाइट्रेट, लौह अयस्क, आर्सेनिक, क्रोमियम, मैंगनीज, निकल, कैडमियम, सीसा और यूरेनियम की खतरनाक उपस्थिति की पुष्टि हुई है। दरअसल, पंजाब में व्यावसायिक कृषि के क्रम में लगातार उत्पादन बढ़ाने के मकसद से जिस बड़ी मात्रा में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग हुआ है, उसका खमियाजा पंजाब के आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। दरअसल, देश की खाद्य शृंखला को सुनिश्चित करने के क्रम में हरित क्रांति में पंजाब ने जो योगदान दिया, उसकी कीमत किसानों और आम नागरिकों को चुकानी पड़ रही है। ये रासायनिक पदार्थ हमारे पेयजल व खाद्य पदार्थों में मिलकर गंभीर रोगों के वाहक बन रहे हैं। लेकिन पंजाब के इस महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद उसके पानी के संकट का समाधान तलाशने की कोई गंभीर पहल होती नजर नहीं आती। जिसका नतीजा यह हुआ कि प्रदूषित पानी की चपेट में आकर लोग कैंसर व अन्य गंभीर रोगों के शिकार बन रहे हैं। दरअसल, इन घातक रासायनिक पदार्थों के हमारे खान-पान में प्रवेश करने से उच्च स्तरीय अवसाद और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी बीमारियों का भी जन्म होता है। पेयजल व हमारे खाद्य पदार्थों में मैग्नीशियम व सोडियम की अधिकता से उपजे जानलेवा रोग जीवन पर संकट उत्पन्न कर सकते हैं। इसी तरह सीसा, निकल, यूरेनियम व मैंगनीज से दूषित पानी के उपयोग से कैंसर समेत कई अन्य गंभीर रोगों का खतरा बढ़ जाता है। लगातार गहराते इस संकट को नीति-नियंताओं को गंभीरता से लेना चाहिए। दरअसल, हमारे राजनेताओं की प्राथमिकताओं में आम आदमी के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे शामिल ही नहीं रहे हैं। भूजल को जहरीला बनाने वाली फैक्ट्रियों व डिस्टिलरियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती क्योंकि वे राजनीतिक दलों की आय के स्रोत भी रहे हैं। विडंबना देखिये कि भूजल में अनुपचारित अपशिष्ट डालने पर जीरा डिस्टिलरी के खिलाफ ग्रामीण पिछले दो साल से आंदोलन कर रहे हैं। जो बताता है कि जनता से जुड़े गंभीर सरोकारों को भी सत्ताधीश नजरअंदाज करते हैं। दो साल से चला आ रहा आंदोलन बताता है कि जनता हालात बदलने के लिये प्रतिबद्ध है, लेकिन शासन-प्रशासन की उदासीनता समस्या के समाधान की राह नहीं दिखाती। बीते वर्ष पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने डिस्टिलरी को बंद करने की बात कही थी और इस बाबत एक रिपोर्ट भी मांगी थी। बताते हैं कि रिपोर्ट में भूजल में जहरीले प्रदूषण की पुष्टि भी हुई थी। दरअसल, आंदोलनकारी इस डिस्टिलरी को स्थायी रूप से बंद करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, इस बीच सरकार की तरफ से भी समस्या के निदान के लिये कुछ कदम उठाये गए हैं। इन उपायों के अंतर्गत उचित उर्वरकों का उपयोग तथा जैविक खेती के बारे में शिक्षित करने के लिये 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड' योजना का क्रियान्वयन भी शामिल है। वहीं दूसरी ओर केंद्रीय और पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। इस दिशा में एक ईमानदार पहल की सख्त जरूरत है, जो नागरिकों के जीवन की रक्षा में सहायक बने। निस्संदेह, देश के जल शक्ति मंत्रालय को जल गुणवत्ता की निगरानी और सुधार को प्राथमिकता देनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर किसानों को प्रेरित किया जाना चाहिए कि वे हानिकारक रसायनों पर निर्भरता को कम करें। इसके स्थान पर परंपरागत प्रथाओं को अपनाएं ताकि उनका और आम लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। उन्हें फसल विविधीकरण अपनाने पर अतिरिक्त आय का आश्वासन दिया जाना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता है तो हम नागरिकों के जीवन से खिलवाड़ ही करेंगे। हमारी लापरवाही एक महत्वपूर्ण जीवन संसाधन को एक जहर के स्रोत में तब्दील कर देगी।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि सबकी सुनकर और उनकी वाणी, भक्ति, विनय और चाल को पहचानकर सुंदर (मीठी) वाणी से सबका यथायोग्य सम्मान करते हैं। यह स्वभाव तो संसारी राजाओं का है, कोसलनाथ श्री रामचन्द्रजी तो चतुरशिरोमणि हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

रीझत राम सनेह निसोतें। को जग मंद मलिनमति मोतें॥

श्री रामजी तो विशुद्ध प्रेम से ही रीझते हैं, पर जगत में मुझसे बढ़कर मूर्ख और मलिन बुद्धि और कौन होगा?॥

दो0- सठ सेवक की प्रीति रुचि रखिहहिं राम कृपालु।

उपल किए जलजान जेहिं सचिव सुमति कपि भालु॥

तथापि कृपालु श्री रामचन्द्रजी मुझ दुष्ट सेवक की प्रीति और रुचि को अवश्य रखेंगे, जिन्होंने पत्थरों को जहाज और बंदर-भालुओं को बुद्धिमान मंत्री बना लिया॥

हौंहु कहावत सबु कहत राम सहत उपहास।

साहिब सीतानाथ सो सेवक तुलसीदास॥

सब लोग मुझे श्री रामजी का सेवक कहते हैं और मैं भी (बिना लज्जा-संकोच के) कहलाता हूँ (कहने वालों का विरोध नहीं करता), कृपालु श्री रामजी इस निन्दा को सहते हैं कि श्री सीतानाथजी, जैसे स्वामी का तुलसीदास सा सेवक है॥

(क्रमशः..)

ऑनलाइन स्टडी के चलते तनाव के शिकार होते बच्चे

देखा जाए तो कोरोना के बाद से बच्चों में डिप्रेशन और एंजाइटी का रोग तेजी से बढ़ता जा रहा है। कोरोना की दहशत के हालात, लॉकडाउन, वर्क फ्राम होम और बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई के साइड इफेक्ट सामने आने लगे हैं। ऑनलाइन स्टडी के चलते बच्चें मोबाइल के अधिकांश इस तरह के ऐप्स से रुबरु होने लगे जो बालपन को कहीं ना कहीं सीधे सीधे प्रभावित करने लगा। एक और जहां चाहे-अनचाहे आनलाइन गेमों की बच्चों में लत लगी वहीं सोशियल मीडिया साइट्स भी बच्चों में लत के रुप में लगने के साथ ही बच्चों के दिलों दिमाग पर नकारात्मक प्रभाव ड़ालने में सफल रही है। देखा जाए तो खेल खेल में बच्चें ना चाहते हुए भी तनाव और एंजाइटी के दौर में प्रवेश कर गए हैं। बदलती जीवनशैली और सामाजिक आर्थिक सिनेरियों में सर्दी जुकाम की तरह एंजायटी यानी कि घबराहट और डिप्रेशन यानी कि अवसाद आज के बच्चों में आम होता जा रहा है। जानी मानी साइक्रेट्रिक मैगजीन जामा साइक्रेट्री में हालिया प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। मनोवैज्ञानिकों ने अध्ययन के दौरान 11 से 15 साल के बच्चों के बीच अध्ययन किया और खासतौर से यह समझने की कोशिश की गई कि जिस तरह से सर्दी जुकाम संक्रामक बीमारी है और एक से दूसरे में फैल जाती है उसी तरह से एंजायटी या डिप्रेशन भी एक बच्चे से दूसरे बच्चे को प्रभावित कर सकता है क्या? अध्ययन में पाया गया कि घबराहट या एंजाइट प्रभावित बच्चें के लक्षण साथ वाले बच्चें में भी विकसित होने के देखे गए हैं। यह अध्ययन भी एक दो नहीं बल्कि सात लाख बच्चों में किया गया है। चिंता की बात यह है कि सर्दी जुकाम संक्रामक रहा है व संपर्क में आने वालों को गिरफ्त में लेने की प्रबल संभावनाएं रहती है, लगभग यही हालात एंजाइटी और डिप्रेशन को लेकर देखी जाने लगी है। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि फिनलैंड विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के अध्ययन में यह साफ हुआ है कि छह में से एक व्यक्ति बैचेनी यानी कि एंजायटी से प्रभावित रहने लगा है। कोरोना के बाद इस तरह के मरीजों की संख्या में 60 फीसदी तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है।

यदि अध्ययन कर्ताओं की मानें तो कोविड 19 अर्थात् कोरोना के बाद हालात तेजी से विकट हुए हैं। खासतौर से पैसों वालों व बुजुर्गों की बीमारी से बच्चें प्रभावित होने लगे हैं। बैचेनी, घबराहट, हाथों में कंपन, नींद ना आना, चिडचिडापन, तनावग्रस्त, कुंठा आदि लक्षण दिखने लगते हैं। इससे बच्चों में नकारात्मकता भी आती जा रही है। अधिक चिंता की बात यह है कि यह बीमारी बच्चों में संक्रामक रोग की तरह फैलती जा रही है। कोराना के लॉकडाउन के साथ ही पेरेंट्स की अंधी प्रतिस्पर्धा और अधिक से अधिक पाने की लालसा, बच्चों के बीच परस्पर सहयोग, समन्वय, मित्रता, सहभागिता के स्थान पर संवेदनहीनता और गलाकाट प्रतिस्पर्धा के परिणाम सामने आने लगे हैं। बच्चों में कुंठा तो आम होती जा रही है। रही सही कसर सोशियल मीडिया ने पूरी कर दी है। सोशियल मीडिया जो परस्पर संवाद का माध्यम बन सकता है चह तनाव का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। लाइक अनलाइक और कमेंट्स बालमन को नकारात्मक रुप से प्रभावित करता जा रहा है। ऑनलाइन अध्ययन के चलते बच्चों में मोबाइल का शोक लग गया है और उसका नकारात्मक असर वीडियो गेम्स के रुप में देखा जा सकता है जो बच्चों को गेम के चक्कर में डिप्रेशन में जाते हुए देखा जा सकता है। गेम्स बच्चों में तनाव का कारण बनते जा रहे हैं। ओटीटी प्लेटफार्म भी अपना असर दिखाता जा रहा है। रील्स का तो कहना ही क्या? लगता है बच्चों के बालमन को नकारात्मक रुप से प्रभावित करने वाले सभी कारक सामने आते जा रहे हैं। शिक्षण संस्था हो या परिवार खासतौर से एकल परिवार के हालात हालात और भी गंभीर करते जा रहे हैं। हालात यहां तक होते जा रहे हैं कि बच्चें आक्रामक होते जा रहे हैं। बात बात पर झगड़ना या इस तरह का रिएक्शन की सामने वाला कोई भी हो लिहाज तो कहीं देखने को ही नहीं दिखता। मानों बालपन तो कहीं दिखाई नहीं देने लगा है।

समाज विज्ञानियों के सामने यह गंभीर समस्या दस्तक दे रही है। हालात बद से बदतर हो उससे पहले ही समस्या की गंभीरता को समझना होगा। दादा-दादी और नाना-नानी कहीं पीछे छूट रहे हैं, पेरेंट्स अवकाश भी परिवार के साथ बिताने के स्थान पर कहीं घूमने जाना पसंद करने लगे हैं जिससे परिवार और परिवार से मिलने वाले संस्कार खोते जा रहे हैं।

एकल परिवार और एक ही बच्चें के कारण कई पारिवारीक संबंध तो इतिहास की बात बन जाएं तो कोई असंभाव्यता नहीं होगी। हालात दिन प्रतिदिन बदतर होते जा रहे हैं और इसके परिणाम आए दिन सामने आते जा रहे हैं। अत्यधिक तनाव के कारण बच्चों को आत्महत्या जैसे कदम उठाते देखा जा रहा है। वहीं बदले की भावना, बात बात में गुस्सैल होना, तुनक मिजाजी आदि तो बस पूछो ही मत। अत्यधिक महत्वाकांक्षा भी तनाव का कारण बनती जा रही है। फिर दूसरे के बच्चों की उन्नति से अपने बच्चें को प्रेरित करने के स्थान पर इस तरह का रिएक्शन देना कि बच्चा प्रोत्साहित होने के स्थान पर निरुत्साहित होने लगे हैं। ऐसे में समाज विज्ञानियों और मनोविज्ञानियों के सामने अधिक चुनौती पूर्ण समय आ गया है। समय रहते इसका समाधान खोजना ही होगा नहीं तो दुनिया के देशों में जिस तरह से बच्चों को छोटी उम्र में ही हिंसक होते देखा जा रहा है उसमें कमी होने के स्थान पर गंभीरता पूर्वक हालात बदतर ही होंगे। इसका समाधान खोजना होगा नहीं तो आने वाली पीढ़ी किसी भी हालत में हमें माफ नहीं करेगी।

दरअसल यह समस्या इसलिए और अधिक गंभीर हो जाती है कि संक्रामक रोग की तरह इसके असर देखे जा रहे हैं। कहते हैं ना कि संगत का असर पड़ता है तो यह सीधे सीधे साथ वाले बच्चों को प्रभावित करने लगा है। लाख प्रयासों के बावजूद बच्चों का बालसुलभ मन कहीं खोता जा रहा है। यह समाज के लिए बडी चुनौती है और इसका समाधान घर से ही खोजना होगा।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

सत्ता के लिए समर्थन जुटाता बजट

मतदाताओं से सौदेबाजी करने में देश के सारे राजनीतिक दल एक जैसे हैं। सत्ता में आने के बाद राजनीतिक दल न सिर्फ हार का बल्कि जीत का हिसाब-किताब चुकता करने से नहीं चूकते। केंद्रीय बजट 2024 में ऐसा ही कुछ चुनावी राज्यों के साथ हुआ है। जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव हो चुके, बजट में उन्हें तो कुछ भी हाथ लगने का सवाल ही पैदा नहीं होता, लेकिन जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, केंद्र सरकार ने उनको भी अंगूठा दिखा दिया। हालांकि केंद्र सरकार का दावा है कि इस बजट में देश के सभी वर्गों और क्षेत्रो में संतुलन स्थापित किया गया है। इससे देश का सामूहिक और समान विकास होगा। इस बजट का ज्यादातर हिस्सा बिहार और आंध्रप्रदेश में चला गया। इससे बिगड़े संतुलन ने बाकी राज्यों का हिसाब बिगाड़ दिया। यह बजट गठबंधन की मजबूरी का बन कर रह गया, जिसमें बड़ा हिस्सा सिर्फ दो राज्यों तक सीमित होकर रह गया। गौरतलब है कि केंद्र की मौजूदा सरकार आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलगूदेशम और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल युनाइटेड की बैसाखियों पर टिकी है। दोनों मुख्यमंत्रियों ने विशेष राज्यों का दर्जा देने की मांग पर दबाव डाला। केंद्र ने इसकी पूर्ति बजट में अलग योजनाओं के लिए प्रावधान करके कर दी। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने संसद में बजट तो पेश कर दिया, लेकिन अनुमान के मुताबिक बिहार और आंध्र प्रदेश ने केंद्र सरकार का बजट गड़बड़ा दिया।

बजट के बड़े हिस्से पर इन दोनों राज्यों का कब्जा हो गया है। बिहार को कुल 58 हजार करोड़ तो आंध्र प्रदेश को 15 हजार करोड़ का विशेष पैकेज का ऐलान करना पड़ा। बजट पर गठबंधन सरकार का असर साफ दिखा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडु बाजी मार ले गए। एनडीए सरकार ने फिलहाल दोनों राज्यों को स्पेशल स्टेटस तो नहीं दिया, लेकिन उसके बदले सरकार को भारी कीमत चुकानी पड़ी है। इसके एवज में उन राज्यों को नजरअंदाज करना पड़ा है, जहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जोकि बीजेपी या एनडीए के लिए काफी अहम हैं। केंद्रीय बजट में चुनाव वाले राज्य हरियाणा, महाराष्ट्र या झारखंड ही नहीं, बल्कि कई और अहम क्षेत्रों के लिए घोषणा नहीं हो सकी। बिहार-आंध्र के लिए विशेष पैकेज का असर यहां भी दिखा। विपक्ष ने इसे मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है। उम्मीद थी कि बजट में नई ट्रेनों का ऐलान होता, लेकिन नहीं हुआ। महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनावी राज्यों को बजट से बहुत उम्मीदें थीं। इन राज्यों के लिए बजट मिलना तो दूर, कोई उम्मीद भी नहीं जगी। लोकसभा चुनावों में अनुसूचित जाति और पिछड़ी जाति के वोट छिटकने की चिंता भी नजर नहीं आई। अन्य पिछड़ा वर्ग या अनुसूचित जाति-जनजाति के लिए कोई खास योजना नजर नहीं आई। उम्मीद की जा रही थी कि उपचुनावों और 3 राज्यों में होने वाले चुनावों को ध्यान में रखते हुए मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट में सरकार चुनावी राज्यों के लिए अपना खजाना खोल देगी। बजट में प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू करने का ऐलान किया गया है।

जनजातीय समुदाय के लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए शुरू किए जा रहे इस अभियान के तहत जनजातीय

परिवारों को सरकारी योजनाओं के संपूर्ण कवरेज का लक्ष्य रखा गया है। इसमें जनजाति बाहुल्य 63 हजार गांवों को शामिल किया जाना है और पांच करोड़ जनजातीय लोग लाभान्वित होंगे। जनजाति बाहुल्य झारखंड की कुल आबादी में करीब 27 फीसदी भागीदारी जनजातियों की है। ऐसे में इस योजना का लाभ भी झारखंड को मिलने की उम्मीद की जा सकती है। पर ये योजनाएं पार्टी की ब्रैंडिंग नहीं कर पाती हैं। जनता यह मानकर चलती है कि ये सरकारी योजनाएं हैं, यह तो मिलना ही था। अगर इनकी जगह पर कोई लोन, कोई छात्रवृत्ति, कोई सहायता जैसी योजना शुरू की गई होती तो उसकी बात अलग होती। इसी तरह चुनावी राज्यों में कोई बड़ा प्रोजेक्ट शुरू करने की घोषणा हो सकती थी। हरियाणा और महाराष्ट्र में किसानों के वोट बहुत महत्वपूर्ण हैं।

भारतीय जनता पार्टी की जरूरत थी कि किसानों के लिए बजट में कुछ ऐसी घोषणाएं की जाएं जिससे उन्हें अपनी जीवनशैली में बदलाव होने की कुछ उम्मीद जग सके। सरकार ने कृषि और इससे संबंधित क्षेत्रों के लिए एक लाख 52 हजार करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है। वित्त मंत्री ने उत्पादन बढ़ाने और जलवायु के अनुकूल किस्मों के विकास पर जोर देने के लिए कृषि अनुसंधान व्यवस्था की व्यापक समीक्षा का ऐलान करते हुए यह भी कहा है कि 32 कृषि और बागवानी फसलों की नई 109 उच्च पैदावार वाली और जलवायु अनुकूल किस्में जारी की जाएंगी। सवाल यह है कि किसान को पैदावार बढ़ाने से क्या मिलेगा, जब तक फसल के बिकने की व्यवस्था नहीं होगी। बजट में किसानों के लिए बहुत कुछ करने के वादे किए गए हैं। कोई भी एक वादा ऐसा नहीं है जिससे किसानों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचता दिख रहा हो।

वित्त मंत्री ने यह भी कहा है कि 6 करोड़ किसानों और उनकी जमीन के ब्यौरे रजिस्ट्री में दर्ज किए जाएंगे, राष्ट्रीय सहकारी नीति लाई जाएगी जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में तेजी आएगी। हरियाणा और महाराष्ट्र के लिए बजट में सीधे कोई ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन इन दोनों ही राज्यों की बड़ी आबादी कृषि और इससे संबंधित क्षेत्रों से जुड़ी है। हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड तीनों ही राज्यों में साल अंत तक विधानसभा का चुनाव होने वाला है। एनडीए हरियाणा और महाराष्ट्र में सत्ता बनाए रखने तो झारखंड में हेमंत सोरेन को सत्ता से बाहर करने की रणनीति में जुटा है। बीजेपी ने यहां चुनावी मुनादी कर दी, लेकिन बजट ने उसका खेल बिगाड़ दिया। विपक्ष इन राज्यों की उपेक्षा का आरोप लगाकर हमलावर है। चुनावों तक यह विरोध और भी तेज होने की संभावना जताई जा सकती है। महाराष्ट्र की तरह ही झारखंड राज्य के लिए भी अलग से इस बजट में कोई विशेष योजना या प्रावधान नहीं है, जबकि इस साल के अंत तक झारखंड में भी विधानसभा का चुनाव होने वाला है। हालांकि पूर्वोदय योजना, जिसे सरकार ने 'विकास भी विरासत भी' नाम दिया है, के तहत जिन पांच राज्यों को शामिल किया है, उनमें बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश के साथ झारखंड राज्य भी है। पांच राज्यों में गौर करें तो इनमें ओडिशा में बीजेपी की सरकार बन चुकी है। लिहाजा प्रदेश को सरकार ने तोहफा दिया है।

बिहार और आंध्र प्रदेश को गठबंधन समझौते के तहत तवज्जो देना लाजिमी था, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें पश्चिम बंगाल को भी शामिल किया गया है, जहां निकट भविष्य में कोई चुनाव नहीं है, बल्कि हाल के उपचुनाव में बीजेपी को करारी हार का सामना करना पड़ा था। बजट पेश होते ही महाराष्ट्र से शिवसेना उद्धव गुट की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने निशाना साधा कि यह बजट नहीं बल्कि प्रधानमंत्री बचाओ योजना का हिस्सा है। महाराष्ट्र के लिए कोई ऐलान नहीं किया गया। राज्य के विकास के लिए न कोई योजना न कोई फंड, महाराष्ट्र की उपेक्षा क्यों की गई? महाराष्ट्र में जल्द ही विधानसभा का चुनाव होने वाला है। लेकिन बजट में प्रदेश के हित से जुड़ी किसी योजना का ऐलान नहीं किया जा सका। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और सांसद राहुल गांधी ने भी कहा कि यह देश का बजट नहीं है। यह निश्चित है कि केंद्र में सत्ता में बने रहने की मजबूरी ने बजट को असंतुलित कर दिया। दो राज्य देश के दूसरे राज्यों पर भारी पड़ गए।

-योगेंद्र योगी
स्वतंत्र लेखक

राशिफल

श्रावण कृष्ण पक्ष : नवमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
नौकरी, लेन-देन, परिवार के साथ संबंध, सेहत और दिनभर में होने वाली शुभ-अशुभ घटनाओं का भविष्यफल होता है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
व्यवसाय में आप किसी और प्रोडक्ट को भी शामिल कर सकते हैं। आप परिवार के सदस्यों को लेकर किसी पिकनिक पर जाने की योजना

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
माता-पिता से आप अपने मन की किसी इच्छा को लेकर बातचीत करेंगे। संतान को आपकी कोई बात बुरी लग सकती है

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आप अपने जीवनसाथी की सेहत के प्रति सचेत रहें। संतान के करियर को लेकर यदि कोई समस्या चल रही थी

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
बिजनेस में भी उतार-चढ़ाव रहने के कारण आपका काम करने में मन थोड़ा कम लगेगा। आपको किसी कानूनी मामले में धक्के खाने पड़ेंगे।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आप अपने बिजनेस में कोई बड़ा बदलाव करेंगे जो आपके लिए समस्या लेकर आएगा। यदि आपको कोई शारीरिक समस्या महसूस हो

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आपके लिए निर्णय लेने की क्षमता का लाभ लेकर आएगा। राजनीति में कार्यरत लोगों को किसी षड्यंत्र का हिस्सा बनने से बचना होगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
बड़ा लेनदेन करने से बचें। बिजनेस कर रहे लोग किसी बड़े निवेश को करने की योजना बना सकते हैं

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
यात्रा का योग बनेगा। रुका हुआ कार्य चलने लगेगा। स्वास्थ्य ठीक है। तो आप उसे नजरअंदाज ना करें।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यवसाय में यदि आपका कुछ धन लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह आपको प्राप्त हो सकता है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
परिवार में किसी बड़े काम के होने से परिजनों का आना-जाना लगा रहेगा। यदि कुछ सदस्यों में लंबे समय से मतभेद चल रहे हैं

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
आपको घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। जिसमें आपको जीत अवश्य हासिल होगी।

शिक्षा समिति ने क्षेत्र की प्रतिभाओं को किया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। स्वर्गीय नेताजी जतन प्रधान की जयंती के अवसर पर चौधरी जतन सुखबीर प्रधान शिक्षा समिति ने क्षेत्र की प्रतिभाओं को सम्मानित किया कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश नवाब सिंह नागर ने की शिक्षा समिति के द्वारा क्षेत्र की यूपी बोर्ड टापर सीबीएससी बोर्ड के टॉपर एवं 90 पर्सेंट से ऊपर अंक प्राप्त करने वाले विभिन्न स्कूलों के बच्चों को सम्मानित किया गया खेलो मे कबड्डी कुश्ती बॉस्केटबॉल क्रिकेट आदि खेलों में ख्याति प्राप्त खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

इस मौक़े पर सुखबीर प्रधान ग़ज़ब सिंह प्रधान, बाल किशन प्रधान, प्रताप नागर, राजे प्रधान, वेद प्रधान, सतीश प्रमुख, राज सिंह प्रधान, रविंदर प्रधान, लीला नागर, धनीराम नागर, बाबू प्रधान, नासिर प्रधान, ज्योति भडाना, आलोक नागर, ब्रजेश भाटी, कृष्ण नागर, लोकेश भाटी, नरेंद्र भाटी संजय कसाना मनीष खारी मनीष नागर सुभम चेची संदीप चंदीला प्रदीप भाटी विपिन कसाना नितिन प्रधान निक्की झटटा विकेश यादव उमेश राणा मोहित भाटी जगत बीडीसी अनुज नागर अनिल कसाना सी पी सोलंकी भारत नागर पूनम भाटी विधु गोस्वामी एडवोकेट अर्चना सिंह रफीक़ कुरैशी वीरेंद्र चंदेल सहित हज़ारों लोग उपस्थित रहे।

सेक्टर-51 में डीडीआरडब्लूए ने किया पौधारोपण

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 51 की ई ब्लॉक, डी ब्लॉक की ग्रीन बेल्ट में सेक्टर के निवासियों, आरडब्लूए सेक्टर 51 एग्जीक्यूटिव कमेटी और डीडी आरडब्लूए फेडरेशन द्वारा सेक्टर-51 की ग्रीन बेल्ट में 280 फलदार पौधे लगाए गए। इस अवसर पर हॉर्टिकल्चर डायरेक्टर आनंद मोहन, डीडी आरडब्ल्यूए अध्यक्ष एनपी सिंह, आरडब्ल्यूए सेक्टर 51 अध्यक्ष अनिल प्रकाश रस्होत्रा, सेक्टर-51 महासचिव संजीव कुमार, हॉर्टिकल्चर से अमित, पवन शर्मा, अरविंद शर्मा, सौरव जैन, अजय टंडन, सौरव सिंह, श्रीनिवासलु, श्रीनिवास, ओजस्वी सिंह, मिस संजू व अन्य सेक्टर-51 के निवासी सम्मिलित रहे।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर वितरित किये पौधे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के मौके पर सामाजिक संगठन ने दुजाना गांव में पौधे वितरित किए प्रकृति का हम पर कर्ज है। पौधारोपण कर प्रकृति का कर्ज चुका सकते हैं उम्मीद संस्था के संस्थापक एवं संयोजक डॉक्टर देवेंद्र कुमार नागर ने कहा कि हमारा आज कल और हर दिन प्रकृति की देन है। इसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य बनता है।

बीकेयू अंबावता संगठन दादरी तहसील अध्यक्ष राजकुमार रूपबास ने कहा कि प्रकृति हमारे जीवन का आधार है। अधिक से अधिक पौधारोपण कर हम प्रकृति की सुंदरता को बढ़ाने का कार्य हम सभी को करना है।

50 अभिभावकों तथा बच्चों को पौधे वितरित किए गए तथा 15 छात्र-छात्राओं को निशुल्क पुस्तक वितरित कर उनकी शिक्षा को बढ़ाने का काम किया। इस मौके पर सहयोगी के रूप में मास्टर हुकुम सिंह आर्य,मास्टर ब्रह्म सिंह, मास्टर बालचंद, फिरे फौजी, शिवांगी, आकांक्षा, तनिष्का, आदि संस्था के लोगों उपस्थित रहे।

उर्स में विशाल भंडारे का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी में जीटी रोड़ स्थित धूम मानिकपुर में हजरत जाफर अली (नौ गजा पीर साहब) की दरगाह पर 438 वां सालाना उर्स मेले में हजारों श्रद्धालु आए, दूर दराज से भी सैकडों जायरीन आए। इस दौरान विशाल भंडारे का आयोजन भी हुआ। सज्जादा नशीन दरगाह नौ गजा पीर सूफी नफीस साबरी के कुशल नेतृत्व में अनेकों खिदमतगारों ने जायरीनों व श्रद्धालुओ की खिदमत में कोई भी कसर बाकी नहीं छोड़ी, शानदार तरीके से सभी के लिए भोजन, शीतल पेयजल, बैठने के लिए साफ सुथरी जगह पर साफ सुथरी दरी की बिछाई, कूलर पंखे आदि की

व्यवस्था की हुई थी।

इस दौरान सूफी नसीरुद्दीन निजामी, हाजी मोहम्मद अली, गुड्डी किन्नर बहन, मदन लाल, सूफी समसुद्दीन सूफी आस मोहम्मद साबरी, वीरपाल वीरा, कपिल कोहली, बिलाल साबरी, सूफी माशा अल्लाह साबरी, शाकिर अब्बासी, ताजू अब्बासी, सलीम भाई अल्वी, राजू मलिक, डॉ. आसिफ अल्वी, मौ अनस अल्वी, अमीरुद्दीन साबरी, राशिद अल्वी, मौ दाउद अल्वी समेत अनगिनत व्यक्तियों की मौजूदगी रही।

रोटरी क्लब ने किया वृक्षारोपण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रोटरी क्लब ऑफ़ ग्रीन ग्रेटर नोएडा ने वृक्षारोपण की मुहिम शुरू की है जिसके अंतर्गत चाई पाई में एटीएस ग्रीन्स पैराडिसो के पास ग्रीन बेल्ट मे 500 पौधों का रोपण किया गया । जहां जहां ज़रूरत थी वहाँ पर ट्री गार्ड भी लगायें गये।

क्लब के अध्यक्ष शैलेश चन्द्र वार्ष्णेय ने बताया कि पौधारोपण करना पर्यावरण की रक्षा के लिए बहुत जरूरी है। पेड़-पौधे हमारे वातावरण को शुद्ध बनाते हैं, वायु प्रदूषण को कम करते हैं, और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में मदद करते हैं तो आइए, हम सभी मिलकर पौधारोपण करें और पर्यावरण की रक्षा में अपना योगदान दें।

इस अवसर पर रोटरी क्लब से अनुप वर्मा, विक्रमादित्य सैनी, अमित राठी, निखिल गर्ग, अंकुर गर्ग, दीपक राय, त्रिखा, अंकुर गर्ग (अल्फा), कुलदीप शर्मा, एमपी सिंह, मनीष डावर, मनोज नागर, ऋषि अग्रवाल, संजय गर्ग, पवन कुमार भाटी, निकुल गुप्ता, राहुल शर्मा, रणजीत सिंह, योगेन्द्र चौहान आदि उपस्थित रहे।

किसान सभा ने लोक दल के राष्ट्रीय महासचिव को ज्ञापन सौंपा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष जनार्दन भाटी के आवास पर कल राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी का आगमन हुआ वहीं पर किसान सभा के जिला संगठन के किसानों ने पहुंचकर अपनी मांगों का ज्ञापन राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के नाम सोपा।

किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर ने ज्ञापन देते हुए त्रिलोक त्यागी को बताया कि इस क्षेत्र के किसानो ने पिछले दो वर्षों से किसान सभा के नेतृत्व में आंदोलन किया उसी का नतीजा है कि मुख्यमंत्री को एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन करना पड़ा कमेटी के सम्मुख हमने अपनी मांगों को रखा अब हम आपसे उम्मीद करते हैं क्योंकि आप सरकार का अंग है हमारी इन मांगों को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सम्मुख रख किसानों को न्याय दिलाने का कार्य करेंगे।

राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष जनार्दन भाटी ने कहा कि जब हम विपक्ष में थे तो हमने किसानों के आंदोलन में पूर्ण रूप से सहयोग किया आज हम सरकार का हिस्सा हैं हम किसानों की सभी मांगों को हर सूरत में हल कराने का प्रयत्न करेंगे, हमारी पार्टी राष्ट्रीय लोकदल व हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी किसानों के हितैषी है उन्होंने हमेशा ही किसानों और मजदूरों के मुद्दे को पूरी ताकत के साथ उठाया है हम अपने क्षेत्र के किसानो की इस बड़ी समस्या को हल करा कर ही दम लेंगे।

किसान सभा के जिला महासचिव जगबीर नंबरदार ने कहा कि किसानों व मजदूरों के मुद्दों को हल करने के लिए हम हर प्लेटफार्म पर अपनी आवाज उठाते रहेंगे हमने सभी जनप्रतिनिधियों को व सरकार से जुड़े हुए तमाम नेताओं को अपने मुद्दों से अवगत कराया है चाहे हमको अपनी इस लड़ाई को सड़क से लेकर संसद तक लड़ना पड़े परंतु अपने लोगों को न्याय दिला कर ही रहेंगे। इस मौके पर मुख्य रूप से रामेश्वर सरपंच, सुरेंद्र यादव, रोहित गुर्जर, अजीत दौला, मनवीर भाटी, सुरेंद्र पंडित, दुष्यंत रौजा, रामदेव रावल, मनोज चौधरी, मोहित भाटी आदि किसान मौजूद रहे।

जेई की कृपा पर बन गये सैकड़ों अवैध फ्लैट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के आदेशों को वर्क सर्किल तीन में तैनात जेई ठेंगे पर रखे है। बताया जाता है कि वर्क सर्किल तीन के हल्दौनी गांव के बराबर में बने पेट्रोल पंप के पास सैकड़ो की संख्या में अवैध फ्लैट बनकर तैयार हो गए हैं। इस बाबत कई बार ग्रामीणों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से शिकायत की लेकिन कार्रवाई नहीं हुई बताया जाता है कि वीरेंद्र नामक व्यक्ति द्वारा हल्दौनी के मेन रोड के बगल में अधिसूचित क्षेत्र की जमीन पर अवैध रूप से सैकड़ो की संख्या

मुख्यमंत्री एवं सीईओ का आदेश ठेंगे पर

में फ्लैट का निर्माण हुआ है। एक तरफ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अवैध इमारत पर बुलडोजर चलाने का अभियान छेड़ रखा है। वहीं स्थानीय जेई मनोज चौधरी की मिली भगत से अवैध निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री एवं सीईओ के भी के भी आदेश को स्थानीय जेई मानने को तैयार नहीं है।

इस संबंध में वर्क सर्किल के वरिष्ठ महाप्रबंधक से बात की गई। तो उन्होंने कहा कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सरकार एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अवैध कब्जा एवं निर्माण पर धड़ाधड़ बुलडोजर चलवा रहे हैं। लेकिन मुख्यमंत्री के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए जेई इमारतें खड़ी करवा दिया।

भोलानाथ कुशवाहा को बाल मनोविज्ञान की अच्छी समझ: डॉ0 अनुज प्रताप

मिर्जापुर। साहित्य चेतना समाज, मिर्जापुर शाखा के तत्वावधान में चेतना प्रवाह कार्यक्रम के अंतर्गत आचार्य रामचन्द्र शुक्ल शिक्षण संस्थान, रमईपट्टी में वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा के बालगीत संग्रह बंदर आया - बंदर आया का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ अनुज प्रताप सिंह ने की। मुख्य अतिथि अश्विनी कुमार आलोक, वरिष्ठ उपन्यास कार , कथाकार एवं पत्रकार, बिहार तथा विशिष्ट अतिथि अमरनाथ तिवारी संस्थापक साहित्य चेतना समाज, गाजीपुर, प्रभाकर त्रिपाठी, संगठन सचिव, साहित्य चेतना समाज, गाजीपुर एवं प्रबंधक,आचार्य रामचन्द्र शुक्ल शिक्षण संस्थान, मिर्जापुर राकेशचंद्र शुक्ल रहे। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ रामदुलार पराया , वरिष्ठ बाल साहित्यकार व समीक्षक डॉ रमाशंकर शुक्ल

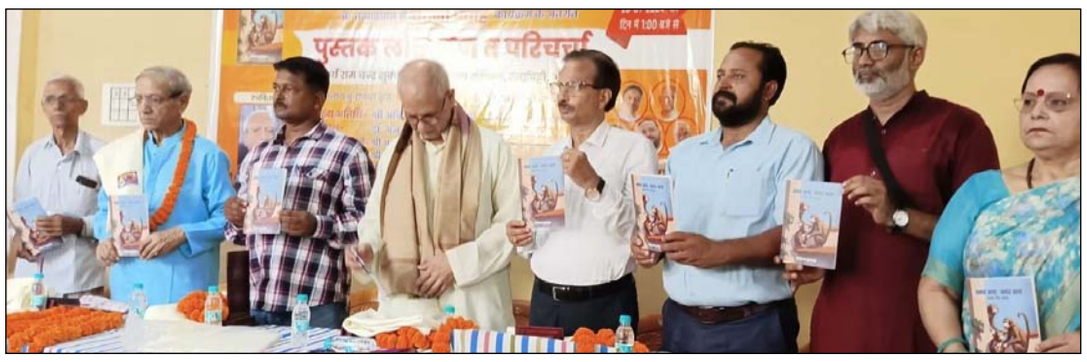

ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन साहित्यकार अरविंद अवस्थी ने बड़ी कुशलता से किया। डा0 अनुज प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन में कुशवाहा जी को कुशल बाल मनोविज्ञानी बताते हुए कहा कि बिना बाल मनोविज्ञान को निकट से समझे सार्थक बाल साहित्य रचा ही नहीं जा सकता।

मुख्य अतिथि अश्विनी कुमार ने कहा कि कवि ने वर्तमान समय की टूटन को संग्रह में रेखांकित किया है। अमरनाथ तिवारी ने कहा कि कुशवाहा जी ने बालकों को नई दिशा दी है। डा0 रमाशंकर शुक्ल ने संग्रह के बाल गीतों के मर्म को समझाते हुए कहा कि रचनाकार ने स्वयं को बच्चा समझकर उनकी अनुभूति तक पहुँचने में सफलता हासिल की है। प्रभाकर त्रिपाठी और राकेशचंद्र शुक्ल ने संग्रह की विशेषता पर अपने विचार रखे। बाल साहित्यकार रामदुलार पराया ने कहा कि इस संग्रह में विषयों की विविधता के साथ बच्चों की अभिरुचियों का विशेष ध्यान रखा गया है।

इस अवसर पर नारायण जी उपाध्याय, रवीन्द्र कुमार पाण्डेय, प्रतिमा शर्मा , केदारनाथ सविता, नंदलाल सिंह चंचल, आनंद केसरी, नंदिनी वर्मा , पूजा यादव आदि ने अपने विचार रखे। सृष्टि राज ने संग्रह से काव्यपाठ किया। इस अवसर पर शामिल लोगों में मुहिब मिर्जापुरी,अमरनाथ सिंह,श्याम अचल, शशिकला श्रीवास्तव,प्रियंका विश्वकर्मा, प्रतिभा श्रीवास्तव,डॉ प्रमोद पांडेय, जितेंद्र प्रजापति,गणेश प्रसाद,आशीष शुक्ल, मेवालाल प्रजापति, श्यामबाबू, मिलन कुमार, अमरनाथ, आनंद केसरी, कृष्णकांत प्रजापति आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। अतिथियों के स्वागत में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल विद्यालय की बच्चियों ने स्वागत गान प्रस्तुत किया।

सेक्टर-11 में धूमधाम से मनाया तीज का त्यौहार

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-11 के कम्युनिटी सेंटर में आरडब्लूए द्वारा तीज का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर श्रीमती आशा, सुषमा वर्मा, ऊषा बंसल, सुनीता रस्तोगी अनुराधा, रितु दुग्गल, सर्वेश प्रभा जैरथ, सविता अरोड़ा तथा सुषमा मौजूद रहीं। उसके बाद सेक्टर की युवा महिलाओं सोनिया शर्मा, योगेश्वरी, सरोज भाटिया, आरती शर्मा, निधि अग्रवाल संगीता ने स्वयं तथा छोटे बच्चों के प्रोग्राम्स की बाकायदा प्रैक्टिस करवाई। बीएस शर्मा, प्रवीण जैरथ, गौरव शर्मा, योगेश शर्मा, राजीव राणा तथा तरुण ने सेक्टर वासियों के सहयोग के कारण ही यह कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा। आरडब्लूए अध्यक्ष अंजना भागी के अनुसार इस प्रकार के सामाजिक कार्यक्रमों की अत्यधिक आवश्यकता है।

दुकान में चोरी करने वाले गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। निठारी गांव स्थित एक दुकान में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को थाना सेक्टर-20 पुलिस में गिरफ्तार किया है। इनके पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुए हैं। पकड़े गए आरोपियों के दो साथियों को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

उप निरीक्षक सत्यवीर सिंह परमार को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ माह पूर्व निठारी गांव की शर्मा ट्रेडिंग कंपनी की दुकान का ताला काट कर पेंट की बाल्टी व रुपए चोरी करने की घटना में शामिल एक आरोपी ब्लड बैंक की तरफ आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने पुनीत पंडित पुत्र रामकुमार को दबोच लिया। तलाशी में इसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुए। इसके अलावा चोरी की घटना में शामिल आकाश पुत्र ताराचंद को भगत सिंह पार्क के पास से गिरफ्तार किया गया। इसके पास से भी तमंचा कारतूस बरामद हुए। पकड़े गए दोनों आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने साथी अरविंद उर्फ सोनू मिश्रा व पिंटू के साथ मिलकर 14 फरवरी को निठारी के ब्लड बैंक वाली गली में स्थित शर्मा ट्रेडिंग कंपनी की दुकान का ताला काट कर पेट की बाल्टी व पैसे चोरी करने की घटना को अंजाम दिया था। उप निरीक्षक सत्यवीर परमार ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने अरविंद उर्फ सोनू मिश्रा व पिंटू को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इस मामले में पकड़े गए दोनों आरोपी वांछित चल रहे थे। इनकी पुलिस तलाश कर रही थी।

डेढ़ माह बाद दर्ज हुई चोरी की रिपोर्ट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 क्षेत्र के गामा-1 सेक्टर के मकान में चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर घर से दो मोबाइल फोन, सोने की चेन, 6 हजार रुपए व अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। घटना के समय पति-पत्नी अपने कमरे में सोए हुए थे। पुलिस ने करीब डेढ़ माह बाद चोरी के इस मामले को दर्ज किया है। गामा-1 सेक्टर में रहने वाले रणधीर कुमार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 12 जून को वह अपनी पत्नी के साथ सो रहे थे। सुबह जब वह सोकर उठे तो उन्हें पीछे का दरवाजा खुला हुआ और घर का सामान बिखरा हुआ मिला। उन्होंने जब जांच की तो पता चला कि उनके घर से आईफोन, चार्जर, एप्पल एयरपोड, सैमसंग मोबाइल फोन, चार्जर, सोने की चेन, घड़ी व 6 हजार रुपए गायब हैं। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

चालू वित्त वर्ष में कमरों की बुकिंग 85 फीसदी रह सकती है : महिंद्रा होलिडेज

नई दिल्ली। महिंद्रा होलिडेज एंड रिजॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड (एमएचआरआईएल) ने कहा कि उसे चालू वित्त वर्ष में कमरों की बुकिंग 85 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि कम अवधि की छुट्टियों की बढ़ती प्रवृत्ति के बीच हम लगातार बुकिंग की उम्मीद कर रहे हैं। कंपनी ने पहली तिमाही में अपने रिजॉर्ट्स में करीब 90 प्रतिशत की बुकिंग दर्ज की है, लेकिन दूसरी तिमाही कुछ नरम रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि पहली तिमाही सबसे अच्छी रही है। दूसरी तिमाही में गिरावट आएगी, तीसरी तिमाही में मांग फिर बढ़ेगी। कुल मिलाकर हम वित्त वर्ष के दौरान 85 प्रतिशत की बुकिंग की उम्मीद कर रहे हैं।

एनसीसीएफ आज से 60 रुपए किलो बेचेगा टमाटर

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) टमाटर की बढ़ती कीमतों से लोगों को राहत देने के लिए सोमवार से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-दिल्ली क्षेत्र में 60 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर टमाटर बेचना शुरू करेगा। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब उत्पादक केंद्रों में हाल ही में हुई बारिश के कारण आपूर्ति में रुकावट होने से टमाटर की कीमतों में उछाल आया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 27 जुलाई को दिल्ली में खुदरा टमाटर की कीमतें 77 रुपये प्रति किलोग्राम थीं, लेकिन गुणवत्ता और स्थानीयता के आधार पर कुछ क्षेत्रों में कीमतें 80 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक हो गई हैं। एनसीसीएफ ने बयान में कहा कि यह सुविधा 29 जुलाई, 2024 को शुरू होगी और आने वाले दिनों में धीरे-धीरे दिल्ली-एनसीआर के अन्य स्थानों तक विस्तारित होगी। संघ ने कहा कि सब्सिडी वाले टमाटर कृषि भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी कॉलोनी, हौज खास, संसद मार्ग, आईएनए मार्केट और नोएडा, रोहिणी और गुरुग्राम के कई इलाकों सहित विभिन्न स्थानों पर उपलब्ध होंगे।

पेंट के बाद जूलरी मार्केट में आने को तैयार आदित्य बिड़ला ग्रुप

मुंबई। आदित्य बिड़ला ग्रुप पेंट के बाद अब जूलरी मार्केट में आने को तैयार है। ग्रुप ने अपने जूलरी ब्रांड इंद्रिया लांच किया। इसमें ग्रुप का मुख्य मुकाबला टाटा ग्रुप के तनिष्क और रिलायंस के रिलायंस ज्वेल्स से है। आदित्य बिड़ला ग्रुप ने साल की शुरूआत में पेंट बिजनस में प्रवेश किया और वह सीमेंट बिजनस में अडानी ग्रुप को कड़ी टक्कर दे रहा है। इतना ही नहीं अपनी टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया में भी नई जान फूंकने के लिए आक्रामक रुख अपना रहा है। 65 अरब डॉलर के आदित्य बिड़ला ग्रुप का मुख्य जोर मेटल, सीमेंट और कपड़ा बिजनस पर रहा है। लेकिन अब वह कंज्यूमर बिजनस में तेजी से अपना विस्तार कर रही है। ग्रुप के कुल रेवेन्यू का करीब 20 फीसदी हिस्सा इस बिजनस से आता है। ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने इंद्रिया ब्रांड को लांच कर कहा कि अगले पांच साल में हमारे रेवेन्यू में कंज्यूमर बिजनस का हिस्सा बढ़ाकर 25 प्रतिशत से अधिक बढ़कर लगभग 25 अरब डॉलर पहुंच जाएगा।

पेप्सिको इंडिया को 217 करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली। पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स की परिचालन आय अप्रैल-दिसंबर 2023 के दौरान 5,954.16 करोड़ रुपये और मुनाफा 217.26 करोड़ रुपये था। एक कारोबारी खुफिया मंच ने यह जानकारी दी। खुफिया मंच ने बताया कि इस दौरान कंपनी की कुल आय 6,094.70 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने अपना वित्त वर्ष अप्रैल-मार्च से जनवरी-दिसंबर में बदल दिया है। इसलिए इसके वित्तीय आंकड़ों में 2023 की तीन तिमाहियों का ब्यौरा है। पेप्सिको इंडिया जनवरी 2024 से वित्त वर्ष के रूप में वित्त वर्ष का पालन कर रही है। उक्त नौ महीनों में घरेलू बाजार में बिक्री से कंपनी की आय 5,533.63 करोड़ रुपये थी। कंपनी की कुल आय में निर्यात ने 266.19 करोड़ रुपये का योगदान दिया। पेप्सिको इंडिया सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध इकाई नहीं है।

पेट्रोरसायन परियोजना 2026 में होगी शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। अदाणी समूह की चार अरब अमेरिकी डॉलर की पॉलिविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) परियोजना का पहला चरण दिसंबर, 2026 तक शुरू होने की संभावना है। पॉलिविनाइल क्लोराइड (पीवीसी)- दुनियाभर में बनाया जाने वाला तीसरा सबसे सामान्य सिंथेटिक प्लास्टिक पॉलिमर है। इसका उपयोग रेनकोट, शॉवर कर्टेन, खिड़की के फ्रेम, इनडोर प्लंबिंग के लिए पाइप, चिकित्सा उपकरण, तार और केबल इन्सुलेशन, बोतल, क्रेडिट कार्ड और फ्लोरिंग जैसे उत्पाद बनाने के लिए किया जाता है। भारत की सालाना पीवीसी मांग लगभग 40 लाख टन है लेकिन घरेलू उत्पादन क्षमता केवल 15 लाख टन है। इस वजह से मांग और आपूर्ति में काफी अंतर रहता है। खपत बढ़ने के साथ यह अंतर और बढ़ेगा। अदाणी समूह इस क्षेत्र में उतरकर लाभ उठाना चाहता है। समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज गुजरात के मुंदड़ा में एक पेट्रोरसायन क्लस्टर स्थापित कर रही है। मामले की जानकारी रखने वालों ने बताया कि कंपनी का इरादा इस क्लस्टर के अंदर 20 लाख टन सालाना क्षमता वाला पीवीसी संयंत्र लगाने का है। इस संयंत्र को कई चरणों में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसका शुरूआती चरण दिसंबर, 2026 तक चालू होने की उम्मीद है। इस दौरान संयंत्र की उत्पादन क्षमता सालाना 10 लाख टन की होगी। समूह ने पिछले साल मार्च में इस परियोजना को रोक दिया था। समूह ने कहा था कि वित्तीय संसाधन जुटने तक उसने प्रमुख उपकरण खरीद और साइट निर्माण गतिविधियों को बंद करने का फैसला किया है। इसके बाद अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने एक रिपोर्ट में अदाणी समूह की कंपनियों पर वित्तीय और लेखांकन धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। हालांकि, अदाणी समूह ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया था लेकिन यह रिपोर्ट आने के बाद समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। इसके बाद समूह ने वापसी के लिए रणनीति बनाई। इसके तहत उसने इक्विटी के रूप में पांच अरब डॉलर और कर्ज के रूप में इससे दोगुनी राशि जुटाई। साथ ही उसने अपने कुछ कर्ज का भुगतान किया। बाजार का भरोसा फिर कायम होने के बाद अदाणी समूह ने पेट्रोरसायन संयंत्र पर काम फिर शुरू किया।

- भारत की सालाना पीवीसी मांग लगभग 40 लाख टन है लेकिन घरेलू उत्पादन क्षमता केवल 15 लाख टन है
- वित्तीय संसाधन जुटने तक उसने प्रमुख उपकरण खरीद और साइट निर्माण गतिविधियों को बंद करने का फैसला किया है

कोल इंडिया हर शेयर पर देगी 50 फीसदी का डिविडेंड

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) कोल इंडिया अपने निवेशकों को शेयरों की फेस वैल्यू का 50 फीसदी यानी 5 रुपये डिविडेंड के रूप में देने जा रही है। कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये है। कंपनी वित्त वर्ष 2023-24 के लिए फाइनल डिविडेंड देगी। इसके लिए रिकॉर्ड डेट की घोषणा कर दी गई है। कोल इंडिया ने डिविडेंड के लिए 16 अगस्त को रिकॉर्ड डेट के रूप में तय किया है। 2 मई को कंपनी के बोर्ड ने इस डिविडेंड की सिफारिश की थी। अब अगली एजीएम में इस डिविडेंड को मंजूरी दिए जाने की उम्मीद है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने 14 साल में पहली बार भूमिगत कोयला उत्पादन में गिरावट का रुख पलट दिया है। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में उत्पादन 260.21 लाख टन रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 254.87 लाख टन से 2.10 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि आधुनिक तकनीक और उपकरणों ने उत्पादन में गिरावट के रुख को पलटने में मदद की है। सीआईएल ने बड़े पैमाने पर उत्पादन तकनीक का उपयोग कर-के भूमिगत मशीनीकरण को बढ़ावा दिया। कोल इंडिया के शेयर बीते शुक्रवार को 3.54 फीसदी की तेजी के साथ बीएसई पर 509.45 रुपये के स्तर पर बंद हुए। पिछले एक महीने में कंपनी का शेयर 9 फीसदी बढ़ा है। वहीं 6 महीने में कोल इंडिया के शेयर ने 24 फीसदी का रिटर्न दिया है। बीते एक साल में कंपनी के शेयरों ने निवेशकों का पैसा दोगुना करते हुए 122 फीसदी का रिटर्न दिया है।

बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के भाव गिरावट पर बंद हुए

उपभोक्ताओं की मांग बढ़ने से मूंगफली तेल-तिलहन में रही तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। आम बजट से पहले देश में सूरजमुखी तेल सहित बाकी खाने के तेलों का जरूरत से कहीं अधिक आयात होने से बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम गिरावट पर बंद हुए। वहीं आपूर्ति की कमी के बीच उच्च आयवर्ग के उपभोक्ताओं की मांग बढ़ने से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि देश के केंद्रीय बजट में खाद्य तेलों पर आयात शुल्क बढ़ाये जाने की उम्मीद में आयातकों ने सभी खाद्य तेलों का जरूरत से अधिक आयात किया जिसकी वजह से बाकी खाद्य तेल-तिलहनों पर पहले से ही दबाव बना हुआ है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 रुपये घटकर 5,850-5,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 75 रुपये घटकर 11,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 1,865-1,965 रुपये और 1,865-1,990 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 95-90 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,475-4,495 रुपये प्रति क्विंटल और 4,285-4,410 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 100 रुपये, 125 रुपये और 150 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 10,200 रुपये, 9,950 रुपये तथा 8,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मांग निकलने की वजह से मूंगफली तेल-तिलहन कीमतें मजबूत रहीं।

तंबाकू क्षेत्र में एफडीआई नियम और होंगे सख्त

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय तंबाकू क्षेत्र में प्रचार-प्रसार पर रोक और तस्करी पर लगाम लगाने के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों को और सख्त करने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। एक अधिकारी ने कहा कि कंपनियां इस बारे में नियमों को दरकिनार करने की कोशिश कर रही हैं, जिसके मद्देनजर सरकार एफडीआई नियमों को सख्त करना चाहती है। फिलहाल तंबाकू के सिगार, चुरूट, सिगारिलो और सिगरेट के विनिर्माण में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पर रोक है। हालांकि, तंबाकू क्षेत्र में किसी तरह के प्रौद्योगिकी सहयोग में एफडीआई की अनुमति है। इसमें फ्रेंचाइजी के लिए लाइसेंस, ट्रेडमार्क, ब्रांड नाम और प्रबंधन अनुबंध शामिल हैं। अधिकारी ने कहा कि तंबाकू में एफडीआई प्रतिबंधित है और क्षेत्र की प्रचार-प्रसार गतिविधियों को भी नियंत्रित करने की आवश्यकता है। ऐसे उत्पादों का प्रचार करके कुछ कंपनियां एक ऐसी तंत्र बनाने की कोशिश करती हैं जहां तस्करी बढ़ती है। उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने इस मुद्दे पर विभिन्न मंत्रालयों के विचार जानने के लिए एक मसौदा नोट जारी किया है। अधिकारी ने कहा कि प्रचार गतिविधियों में प्रॉक्सी विज्ञापन, विभिन्न तरीकों से ब्रांड प्रचार और ब्रांड के बारे में जागरूकता पैदा करना शामिल है।

मराजो एमपीवी के बंद होने की अटकलों लगाया विराम

एजेंसी

नई दिल्ली। वाहन निर्माता स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने मराजो एमपीवी के बंद होने की खबरों पर विराम लगा दिया है। हाल ही में महिंद्रा कंपनी ने इस कार को अपनी ऑफिशियल वेबसाइट से हटा दिया था, जिसके बाद इसके बंद होने की खबरों की चर्चा होने लगी थी। हालांकि, पिछले दिनों ही कंपनी ने इसे अपनी वेबसाइट में दोबारा लिस्ट कर इसके बंद होने की अटकलों को दरकिनार कर दिया है। इस बार महिंद्रा ने मारोजो की कीमत में इजाफा करने के साथ कुछ रंग विकल्प भी हटा दिए गए हैं। अब यह एमपीवी केवल सफेद रंग में उपलब्ध होगी। कार निमार्ता ने इस महीने की शुरूआत में महिंद्रा मराजो को अपनी आधिकारिक वेबसाइट से हटा दिया था। आमतौर पर कंपनियां जिस माडल को बंद कर देती है, उन्हें अपने पोर्टफोलियो की सूची से हटा देती है। कई बार यह तकनीकी खामी के कारण भी हो जाता है। मराजो को लेकर लगता है कि कंपनी ने इसकी कीमत अपडेट करने के लिए हटाया और वापस सूची में जोड़ दिया।

3 नई एसयूवी लांच करेगी महिन्द्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। वाहन क्षेत्र की अग्रणी निजी कंपनी महिन्द्रा मोटर्स अब इस साल के अंत तक तीन नई एसयूवी पेश कर सकती है। महिन्द्रा को अपनी बेहतरीन एसयूवी के लिए जाना जाता है। अब वह अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार करना चाहती है। इसके साथ ही आईसीई एसयूवी की अपनी मौजूदा लाइनअप को और बेहतर करने में लगी है। कर रही है। माना जा रहा है साल के बचे हुए महीनों में महिंद्रा नई एसयूवी बाजार में ला सकती है। ये हैं महिन्द्रा एक्सयूवी 3एक्स 0 ईवी , महिंद्रा थार रॉक्स और महिन्द्रा एक्सयूवी ई 8 महिन्द्रा एक्सयूवी 3एक्स 0 का इलेक्ट्रिक वर्जन पेश कर सकती है। इस 5-सीटर एसयूवी में 350 किलोमीटर से ज्यादा की ड्राइविंग रेंज होने की संभावना है। बाजार में इसका मुकाबला निक्सोन ईवी के बेस मॉडल के साथ होगा। इसके अलावा महिन्द्रा थार रॉक्स भारतीय बाजार में अगले माह 15 अगस्त 2024 को लॉन्च होगी। अपडेटेड लैडर फ्रेम पर आधारित यह नया मॉडल अपनी ऑफ-रोड क्षमताओं को बनाएगा। साथ ही इसमें ज्यादा जगह और अतिरिक्त फीचर्स मिलेंगे। महिंद्रा थार रॉक्स में वायरलेस एपल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो कनेक्टिविटी के साथ एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, सनरूफ, इलेक्ट्रिकली ऑपरेटेड और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, ऑटोमैटिक एसी, रियर एसी वेंट, स्टैंडर्ड 6 एयरबैग और 360-डिग्री कैमरा सिस्टम मिलेगा। यह 2.2 एल डीजल, 1.5एल डीजल और 2.0एल पेट्रोल इंजन के साथ उपलब्ध रहेगी, जिसमें मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों गियरबॉक्स के विकल्प रहेंगे। महिन्द्रा एक्सयूवी 700 आधारित इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सयूवी ई 8 को दिसंबर 2024 में भारत में पेश किया जाएगा।

अमेजन प्राइम डे 2024 भारत में अब तक का सबसे बड़ा प्राइम डे इवेंट

रांची। अमेजन इंडिया ने घोषणा की है कि प्राइम डे 2024 अब तक का सबसे बड़ा प्राइम डे शॉपिंग इवेंट था, जिसमें रिकॉर्ड बिक्री हुई और पिछले किसी भी प्राइम डे इवेंट की तुलना में इस बार के दो दिवसीय इवेंट के दौरान अधिक आइटम बेचे गए। इतना ही नहीं, इस बार के 8वें प्राइम डे पर किसी भी प्राइम डे के दौरान खरीदारी करने वाले प्राइम सदस्यों की संख्या सबसे अधिक देखी गई। प्राइम डे 2023 की तुलना में भारत में 24% अधिक प्राइम सदस्यों ने खरीदारी की, जिससे इस इवेंट के दौरान अब तक का सबसे अधिक प्राइम सदस्य जुड़ाव देखा गया। प्राइम डे 2024 में प्राइम डे से पहले के ढाई सप्ताह में सबसे अधिक प्राइम मेंबरशिप साइनअप भी देखा गया है।

पृष्ठ एक के शेष....

राजेन्द्र नगर...

सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्रनगर में राव आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में शनिवार शाम को बारिश के बाद पानी भरने से हादसा हो गया। इस दौरान कोचिंग में पढ़ने वाले तीन स्टूडेंट्स की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने हादसे की जांच के लिए FIR दर्ज की है और कई टीमें गठित की हैं। पुलिस ने कोचिंग सेंटर के मालिक अभिषेक गुप्ता और को-ऑर्डिनेटर को गिरफ्तार कर लिया है।

इस हादसे में उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर की श्रेया यादव, तेलंगाना की तान्या सोनी और केरल के एर्नाकुलम के नवीन डल्विन की मौत हो गयी थी। एफआईआर के मुताबिक, कोचिंग सेंटर के मालिक स्वीकार किया कि बेसमेंट में जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं थी, जिसके कारण हादसा हुआ है।

दिल्ली के ओल्ड राजेंदर नगर में यूपीएससी की परीक्षा देने वाले 3 अभ्यर्थियों की मौत पर बोलते हुए डीसीपी सेंट्रल एम हर्षवर्धन ने बताया कि बेसमेंट के मालिकों और एक व्यक्ति सहित पांच और लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसने एक वाहन चलाया, जिससे इमारत के गेट को नुकसान पहुंचा। बेसमेंट में व्यावसायिक गतिविधि करने की कोई अनुमति नहीं थी। हमने एमसीडी से कुछ जानकारी मांगी है, और हम उनकी भूमिका की भी जांच करेंगे। सभी कोणों से जांच चल रही है। हम प्रदर्शनकारी छात्रों से शांति बनाए रखने और मुख्य सड़कों को अवरुद्ध न करने की अपील करते हैं, और विश्वास रखें कि इस मामले में सख्त कार्रवाई की जा रही है।

ऑफिस में घुसकर...

इसके बाद दोनों युवक एक बार फिर उसके कार्यालय में आए और गाली गलौज शुरू कर दी। उन्होंने जब गाली देने का विरोध किया तो युवकों ने उन पर हमला बोल दिया। मारपीट में उनके मुंह व सिर में गंभीर चोटें आई। उन्हें लहूलुहान करने के बाद दोनों युवक जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। मंडी निरीक्षक नरेश कुमार ने गौरव प्रताप द्वारा उनके ऊपर जानलेवा हमला करने का शक जताया है। मंडी निरीक्षक का कहना है कि उन्हें गौरव से भविष्य में भी जान माल का खतरा है।

घर से गई 3 किशोरियां...

के लिए सेक्टर 53 के कंचनजंगा में गई थी। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। उसने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर दिया है और किशोर व किशोरियों की तलाश कर रही है।

कांवड़ियों से टच हुई...

आरोप है कि हरिद्वार से कांवड़ लेकर आ रहे कुछ कांवड़ियों से गाजियाबाद पुलिस की जीप टच हो गई। इसके बाद मौके पर बड़ी संख्या में कांवड़ियों ने हंगामा शुरू कर दिया और गाजियाबाद पुलिस की जीप के शीशे तोड़ दिये और उसे पलट दिया। कांवड़ियों का हंगामा काफी देर तक जारी रहा।

इस मामले की जानकारी देते हुए अभिषेक श्रीवास्तव सहायक पुलिस आयुक्त कविनगर ने बताया कि थाना मधुबन बापुधाम थाना क्षेत्र के दुहाई मेट्रो स्टेशन के पास समय करीब 10.15 पर एक गाडी द्वारा एक कांवड़िये को टक्कर लगने का मामला सामने आया है। जिससे गुस्सा होकर कांवड़ियों द्वारा गाडी में तोड-फोड कर दी गई । सूचना पर थाना पुलिस द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए मौके पर पहुंचकर लोगों को समझा बुझा कर वापस भेजा गया। जाँच में यह तथ्य प्रकाश में आया कि उक्त गाडी को अवनीश त्यागी नामक चालक चला रहा था। जिसके द्वारा कांवड़ियों के लिए आरक्षित लेन में अनाधिकृत रुप से प्रवेश किया गया। चालक तथा गाडी दोनों को कब्जे में ले लिया गया है । चालक द्वारा यह गाडी हाइड्रिल विजिलेंस के लिए चलाई जाती है। पूछताछ एवं साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

दहेज के लिए...

दवाब बनाने लगे। उसके द्वारा इनकार किए जाने पर उसे तरह-तरह से प्रताड़ित किया जाने लगा।

पीड़िता के मुताबिक शादी के बाद से ही उसका देवर विपुल उस पर गंदी नजर रखता था। एक दिन उसे अकेला पाकर उसके देवर ने उसके साथ बदतमीजी करने की कोशिश की। उसके विरोध करने पर वह अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाया। उसने 6 फरवरी 2024 को अपने देवर की करतूत पति को बताई। उसके पति व परिजनों ने उसी दिन उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट कर उसे घर से बाहर निकाल दिया। किसी तरह उसने अपने परिजनों को इस बात की जानकारी दी जिसके बाद परिजन उसे अपने साथ मायके ले आए।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

श्री दूधेश्वर...

इसी कारण इस मास में उनकी पूजा करने का इतना अधिक फल मिलता है। सावन में उनकी पूजा, अभिषेक, शिव स्तुति, मंत्र जाप का खास महत्व है। खासकर सोमवार के दिन महादेव की आराधना से शिव और शक्ति दोनों प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा से दैविक, दैहिक और भौतिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। निर्धन को, निसंतान को संतान की प्राप्ति होती है तथा कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर मिलता है।

महाराजश्री ने बताया कि दूसरे सोमवार को महाकालेश्वर शिव की विशेष पूजा करने का विधान है। श्रद्धालु को ऊं महाशिवाय वरदाय हीं ऐं काम्य सिद्धि रुद्राय नम मंत्र का रुद्राक्ष की माला से जाप करना चाहिए। महाकालेश्वर की पूजा से गृहस्थ जीवन होता है। पारिवारिक कलह, पितृ दोष व तांत्रिक दोष से मुक्ति मिलती है। पुलिस कमिश्नर अजय मिश्रा के नेतृत्व में मंदिर व उसके आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चाक-चौबंद है।

डेयरी की गंदगी का...

गौरव और अंकुर के साथ जबरन उसके घर में घुस आया और मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान जब उसके परिजन बचाने आए तो आरोपियों ने रंजना और आशा को भी मारपीट कर घायल कर दिया। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर दिया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

संसद घेराव को...

दिनेश अवाना, पूर्व अध्यक्ष महानगर कांग्रेस नोएडा शाहबुद्दीन, राजकुमार भारती, गौरव आधाना, ओसामा, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन जिला अध्यक्ष वीरेंद्र मुखिया, वीरो देवी, पूजा गुप्ता, ज्योति पाल, गुलअफशा, मेहंदी, सकीला,नाजनीन परवीन, रूबी ,खुशबू, अफसाना,सबा, शबनम, चांदनी,राजवती राठौर, प्रेमलता, आनंदी,सुमन,रेखा शर्मा ,रेचल शर्मा व नसीम अन्य महिलाएं संसद घेराव रैली में शामिल हुई।

ग्रेनो वेस्ट में भी...

सम्मुख प्रमुखता से रखेंगे। इस दौरान वन एवं पर्यावरण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा. सक्सेना ने चित्रांश परिवार से ग्रेटर नोएडा वेस्ट में पौधारोपण पर जोर दिया तथा कहा कि सभी मिलकर अधिक से अधिक पौधा लगाएं।

चित्रांश परिवार की तरफ़ से अजय कुमार लाल ने नोएडा एक्सटेंशन में चित्रगुप्त भगवान के स्थापना की जानकारी दी। साथ ही अजय खरे, संजयमणि एव विशाल श्रीवास्तव द्वारा किए गए वृक्षारोपण को मंत्री ने सराहा एवं पौधे और ट्री गार्ड देने के लिए वनाधिकारी को निर्देशित किया।

इस दौरान डॉ. राजीव, सीए रत्नेश, राकेश, डॉक्टर दीपक ने डॉक्टर अरुण को प्रथम चित्रगुप्त स्थापना दिवस मे आने के लिए आमंत्रित किया।

गौर सिटी की पार्किंग में बाइक चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सोसायटी की पार्किंग से चोर बाइक चोरी कर ले गए। चोरी की बाइक को चोर हरियाणा के बहादुरगढ़ क्षेत्र में छोड़कर फरार हो गए। पीड़ित ने थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है। एवेन्यू गौर सिटी में रहने वाले अनुज कुमार पाठक ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह अपने काम के सिलसिले में अक्सर बाहर रहता है। शनिवार की रात्रि को आकर वह रविवार की सुबह चला जाता है। उसने 23 जून को सोसायटी की पार्किंग में अपनी बाइक खड़ी की थी। 9 जुलाई को हरियाणा की बहादुरगढ़ पुलिस ने सूचना दी कि उनकी बाइक क्षेत्र में मिली है। भारी बारिश के कारण बाइक पर सवार तीन युवक फिसल कर गिर गए इसके बाद वह पुलिस को देखकर फरार हो गए। जानकारी मिलने पर उसने अपनी पत्नी व सोसायटी के सिक्योरिटी सुपरवाइजर को फोन पर इसकी जानकारी दी और ऑनलाइन शिकायत की। 14 जुलाई को उसने व्यक्तिगत रूप से थाने पहुंचकर पुलिस को चोरी की घटना के बारे में जानकारी दी। अनुज कुमार पाठक के मुताबिक सोसायटी के मेंटेनेंस सुपरवाइजर सिक्योरिटी इंचार्ज द्वारा उसे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज दिखाने का आश्वासन दिया गया लेकिन उसे फुटेज उपलब्ध नहीं कराई गई है।

आई फोन लूटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के चेरी मार्केट के बाहर से बदमाशों ने एक व्यक्ति का आई फोन लूट लिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।
चेरी काउंटी सोसायटी निवासी आशु सैनी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह चेरी मार्केट के पास से पैदल जा रहा था। इस दौरान बाइक पर आए बदमाशो ने उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया। उसने शोर मचाकर बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह फरार हो गए।

निशाने पर था ओलंपिक मेडल और दिमाग में चल रहा था गीता का ज्ञान : मनु भाकर

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने रविवार को परिस ओलंपिक में ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य हासिल किया और भारत का मेडल का खाता खोला। वह ओलंपिक मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज हैं। भारत ने 12 साल बाद शूटिंग में ओलंपिक जीता है। 22 वर्षीय मनु ने ब्रॉन्ज जीतने के बाद खुलासा कि उन्होंने भगवद गीता बहुत पढ़ी है। उन्होंने कहा कि जब निशाने पर मेडल था तो दिमाग में गीता का ज्ञान का चल रहा था। मनु ने कहा, ''मेडल जीतकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। भारत को लंबे समय से इस पदक का इतंजार था। मैं बस इसे हासिल करने के लिए तैयार थी। भारत बहुत सारे पदकों का हकदार है। इसलिए, हम इस बार अधिक से अधिक स्पर्धाओं के लिए उत्सुक हैं। और पूरी टीम ने वास्तव में कड़ी मेहनत की है। मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से यह फीलिंग वास्तव में किसी ख्वाब की तरह है। मुझे लगता है कि मैंने अच्छा काम किया। मैंने बहुत प्रयास किया और आखिरी तक मैं अपनी पूरी ऊर्जा के साथ लड़ती रही। हालांकि, यह ब्रॉन्ज है। लेकिन मैं वास्तव में आभारी हूं कि मैं भारत के लिए कांस्य जीत सकी, शायद अगली बार बेहतर हो।' उन्होंने आगे कहा, 'ईमानदारी से बताऊं तो मैंने काफी गीता पढ़ी है। मेरे दिमाग में यही चल रहा था कि बस कर्म पर ध्यान लगाओ, नतीजे की चिंता मत करो। जो तुम्हारा बस में है, उसे करो और बाकी चीजें छोड़ दो। भाग्य जो भी हो, आप उसके परिणाम को नियंत्रित नहीं कर सकते। इसलिए गीता में कृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि कर्म पर ध्यान केंद्रित करो न कि कर्म के परिणाम पर। तो मेरे दिमाग में बस यही चल रहा था। ऐसे में मैंने सोचा कि 'बस अपना काम करो, और सब कुछ छोड़ दो।' मनु टोक्यो ओलंपिक में मेडल नहीं जीत पाई थीं। मनु से जब पूछा गया कि टोक्यो की निराशा से निपटने के लिए उन्होंने क्या किया तो निशानेबाज ने कहा, 'आप सिर्फ कोशिश करके अपना सर्वश्रेष्ठ देते रह सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं कितना अच्छा महसूस कर रही हूं, आपको नहीं बता सकती।'

श्रीलंका ने भारत को हराकर जीता वीमेंस एशिया कप

हर्षिता-कविशा की तूफानी पारी

दांबुला। श्रीलंका ने महिला एशिया कप 2024 के फाइनल में भारत को 8 विकेट से हरा दिया है। भारत आठवीं बार एशिया कप जीतने से चूक गया है और यह इतिहास में केवल दूसरा मौका है जब टीम इंडिया को महिला एशिया कप के फाइनल में हार मिली है। भारत ने इस मैच में पहले खेलते हुए 165 रन बनाए थे, वहीं जवाब में श्रीलंकाई टीम ने 8 गेंद शेष रहते 8 विकेट से जीत दर्ज कर पहली बार एशिया कप का खिताब अपने नाम किया है. श्रीलंका के लिए कप्तान चमारी अटापट्टू और हर्षिता समाराविक्रमा ने अर्धशतकीय पारियां खेलते हुए श्रीलंका की ऐतिहासिक जीत में बड़ा योगदान दिया. भारत के लिए दीप्ति शर्मा विकेट लेने वाली एकमात्र गेंदबाज रहीं।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया था. भारत के लिए सबसे ज्यादा रन सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने बनाए, जिन्होंने 47 गेंद में 60 रनों का योगदान दिया. हालांकि कप्तान हरमनप्रीत कौर कुछ खास कमाल नहीं कर पाईं, जिनके बल्ले से केवल 11 रन बनाए. मगर आखिरी 6 ओवरों में जेमिमा रोड्रीगेज और रिचा घोष ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करके टीम का स्कोर 160 रन के पार पहुंचाया. रोड्रीगेज ने 16 गेंद में 29 और रिचा घोष ने 14 गेंद में 40 रन की कैमियो पारी खेलकर भारत का स्कोर 165 तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत काफी खराब रही क्योंकि विश्मी गुणारत्ने महज एक रन बनाकर आउट हो गईं। मगर उसके बाद कप्तान चमारी अटापट्टू और हर्षिता समाराविक्रमा के बीच 87 रन की बेहतरीन साझेदारी हुई, लेकिन अटापट्टू को दीप्ति शर्मा ने 61 रन के स्कोर पर क्लीन बोल्ड कर दिया। उसके बाद हर्षिता एक छोर से क्रीज़ पर डटी रहीं और उनका साथ कविशा दिलहारी ने दिया, जिन्होंने 16 गेंद में 30 रन की तूफानी पारी खेली। दूसरी ओर हर्षिता ने 51 गेंद में 69 रन की पारी खेलकर श्रीलंका को 8 विकेट से जीत दिलाने में अहम योगदान दिया। गौरतलब हो कि महिला एशिया कप की शुरुआत 2004 में हुई थी और इस साल इसका नौवां संस्करण खेला गया. भारतीय टीम आज तक हुए सभी महिला एशिया कप टूर्नामेंट्स के फाइनल में पहुंची है, लेकिन उसे अब तक केवल एक मौके पर हार झेलनी पड़ी थी। भारत 2018 में बांग्लादेश से फाइनल में हारा था और अब श्रीलंका से।

लीग स्टेज में प्रदर्शन

लीग स्टेज में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। लीग स्टेज में टीम इंडिया ने तीन मैच खेले और तीनों में ही जीत दर्ज की। टीम इंडिया ने पहला मुकाबला पाकिस्तान को 7 विकेट से, दूसरा यूएई को 78 रनों से और तीसरा नेपाल को 82 रनों से हराया था। फिर टीम इंडिया ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 10 विकेट से करारी शिकस्त देकर फाइनल में जगह पक्की की। दूसरी तरफ श्रीलंका ने भी लीग स्टेज में तीनों मैच जीते। श्रीलंका ने पहले मुकाबले में बांग्लादेश को 7 विकेट से, दूसरे में मलेशिया को 144 रनों से और तीसरे में थाईलैंड को 10 विकेट से हराया था। फिर श्रीलंका ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 3 विकेट से शिकस्त देकर फाइनल में कदम रखा था।

शानदार जीत के साथ

स्टार सटलर सिंधु ने किया आगाज

पेरिस। 140 करोड़ भारतीयों की ओलंपिक पदक की उम्मीद भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने आसान जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की है। सिंधु ने रविवार को खेले गए बैडमिंटन महिला एकल मुकाबले में मालदीव की खिलाड़ी अब्दुल रज्जाक को सीधे सेटो में 21-9, 21-6 से हराया। भारत को ओलंपिक में कांस्य और रजत पदक दिला चुकी सिंधु से इस बार सभी को स्वर्ण पदक की आस है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने पहले सेट में अपनी सर्विस पर 14 अंक बनाए जबकि दूसरे सेट में 18 प्वाइंट्स बनाए। बता दें कि, सिंधु की मालदीव की प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ दो मैचों में यह दूसरी जीत है, इससे पहले उन्होंने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भी सीधे सेटों में जीत हासिल की थी। वर्ल्ड नंबर-13 भारत की पीवी सिंधु ने पहले सेट में धीमी शुरुआत की और विरोधी खिलाड़ी को कई आसान मौके दिए। सेट की शुरुआत में स्कोर 3-3 से बराबरी पर थी। लेकिन इसके बाद सिंधु ने मालदीव की खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया और मिड ब्रेक तक 11-4 के स्कोर के साथ 7 अंको की महत्वपूर्ण बढ़त बना ली. ब्रेक के बाद सिंधु ने शानदार खेल का प्रदर्शन जारी रखते हुए पहला सेट 21-9 से अपने नाम किया। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु दूसरे सेट में जबरदस्त फॉर्म में नजर आई। सिंधु के गोली की रफ्तार जैसै स्मेश का वर्ल्ड रैंकिंग में 99 स्थान की खिलाड़ी मालदीव की अब्दुल रज्जाक के पास कोई जवाब नहीं था।

टेबल टेनिस में शरत कमल का अभियान समाप्त

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के दूसरे दिन भारत को पुरुष टेबल टेनिस में बड़ा झटका लगा है। भारत के स्टार पेडलर शरत कमल को स्लोवेनिया के खिलाफ पुरुष एकल मुकाबले में कोजुल डेनी से हार का सामना करना पड़ा। स्लोवेनिया के डेनी ने शरत को 49 मिनट में 4-2 से हरा दिया। इस हार के साथ ही उनका पेरिस ओलंपिक का सफर समाप्त हो गया है। पहला सेट जीतने के बाद शरत लगातार तीन सेट हार गए, पहले सेट में शरत ने 12-10 से जीत हासिल की। उसके बाद वह लगातार तीन सेट हार गए। दूसरे सेट में विरोधी खिलाड़ी स्लोवेनिया के कोजुल डेनी ने उनको 11-9 से हरा दिया जिसके लिए उन्होंने सिर्फ 8 मिनट लिए। उसके बाद तीसरे सेट में उन्होंने 8 मिनट लेकर 11-6 से और चौथे सेट में 11-7 से जील हासिल की। पांचवें सेट में शरत कमल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी जीत की उम्मीदों को जिंदा रखा। जहां, उन्होंने डेनी को 11-8 से हरा दिया। छठे सेट में शरत कमाल का प्रदर्शन करते हुए बढ़त बना लिए थे उसके बाद फिर से डेनी ने वापसी की और क्लोज मुकाबले में 12-10 से हरा दिया। जिससे शरत कमल का पेरिस ओलंपिक का अभियान यहीं समाप्त हो गया। बता दें, टेबल टेनिस के महिला एकल में श्रीजा अकुला ने शानदार जीत हासिल कर राउंड-32 में जगह बना ली थी। उन्होंने स्वीडिश पेडलर के खिलाफ 11-4, 11-9, 11-7, 11-8 से जीत दर्ज की।

जीत के साथ प्री क्वार्टर फाइनल में जरीन की दस्तक

पेरिस। दो बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज निकहत जरीन ने रविवार को पेरिस ओलंपिक का दमदार तरीके से आगाज किया। जरीन ने जर्मनी की मैक्सी करीना क्लोएट्जर पर जीत के साथ महिलाओं के 50 किग्रा ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। इस 28 साल की गैरवरीय मुक्केबाज ने नॉर्थ पेरिस एरेना में अंतिम 32 दौर के मुकाबले में जर्मनी की मुक्केबाजी के खिलाफ 5-0 से जीत हासिल की। निकहत के सामने गुरुवार को खेले जाने वाले प्री-क्वार्टर फाइनल में एशियाई खेलों और मौजूदा फ्लाईवेट विश्व चैंपियन चीन की वू यू की चुनौती होगी। शीर्ष वरीयता प्राप्त वू यू को पहले दौर में बाई मिली है।

श्रीजा अकुला टेबल टेनिस के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

पेरिस। भारत की स्टार पैडलर श्रीजा अकुला ने शानदार जीत के साथ महिला एकल टेबल टेनिस के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। रविवार को खेले गए मुकाबले में 16वीं वरीयता प्राप्त अकुला ने साउथ पेरिस एरिना में 30 मिनट में दुनिया की 58वें नंबर की खिलाड़ी कलबर्ग के खिलाफ 11-4, 11-9, 11-7, 11-8 से जीत दर्ज की। मैच में अकुला ने शानदार शुरुआत की और पहले गेम में अपना दबदबा बनाया और 11-4 से जीत दर्ज की। भारतीय पैडलर अपने फोरहैंड से काफी तेज थी और उसने स्वीडन की क्रिस्टीना कल्बर्ग पर दबदबा बनाया। दूसरा गेम काफी करीबी रहा क्योंकि स्वीडिश पैडलर ने अपने स्ट्रोकप्ले में सुधार किया। दूसरा गेम काफी रोमांचक रहा लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने फिर से अपनी प्रतिद्वंद्वी को 11-9 से मात दी। गेम 3 एकतरफा मुकाबला था, जिसमें 20 वर्षीय खिलाड़ी ने 11-7 से जीत दर्ज की और फिर 30 मिनट में 11-8 के स्कोर के साथ नॉकआउट पंच मारा। इस जीत ने उसे पेरिस खेलों में 16वें राउंड में पहुंचा दिया. भारतीय खिलाड़ी ने विश्व की 58वें नंबर की खिलाड़ी कलबर्ग को आसानी से 5-0 से हराया और अपने शॉट्स से अपनी प्रतिद्वंद्वी को चकमा दिया जिसमें जबरदस्त बैकस्पिन भी शामिल था। श्रीजा ने ज्यादातर अपनी सर्विस पर अंक हासिल किए लेकिन स्वीडिश प्रतिद्वंद्वी उसका फायदा उठाने में विफल रही। बता दें कि, पिछले महीने अकुला ने डब्ल्यूटीटी कंटेंडर लागोस खिताब जीतने के बाद टेबल टेनिस रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ दुनिया की 24वीं रैंकिंग हासिल की थी। यह किसी भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी की संयुक्त सर्वश्रेष्ठ एकल रैंकिंग थी।

पांड्या को कप्तान नहीं बनाना बिल्कुल सही फैसला : लालचंद

नई दिल्ली। हार्दिक पांड्या को भारत की टी20 टीम का कप्तान नहीं बनाया गया। भारतीय ऑलराउंडर की जगह सूर्यकुमार यादव श्रीलंका दौरे पर भारत की टी20 टीम का कप्तान बनाया गया। जून में हुए 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में हार्दिक पांड्या टीम इंडिया के उपकप्तान के रूप में नज़र आए थे, जिसके बाद उनका अगला कप्तान बनना तय माना जा रहा था। हार्दिक के कप्तान न बनने के पीछे कई वजह सामने आईं। अब टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज़ लालचंद राजपूत ने हार्दिक को कप्तान न बनाए जाने के फैसले को सही ठहराया है। लालचंद राजपूत ने वाकई हार्दिक पांड्या पर चौंकाने वाला बयान दिया है। उनका मानना है कि कप्तान नहीं होने से हार्दिक ज्यादा फ्री होकर खेल सकेंगे. मैनेजमेंट चाहता है कि हार्दिक अच्छा परफॉर्म करें, जिसके लिए उनका कप्तान न बनना सही है. लालचंद राजपूत ने कहा, "मुझे लगता है कि सिलेक्टर्स ने भी कोच के जैसा ही सोचा होगा. मैनेजमेंट चाहता है कि हार्दिक अच्छा प्रदर्शन करें। अगर वह उन्हें कप्तानी से मुक्त कर देंगे, तो वह फ्री होकर खेल सकते हैं और बल्ले व गेंद से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकता है. मैंने अजीत अगरकर की प्रेस कॉन्फ्रेंस सुनी थी, उन्होंने कहा था कि वह ज्यादातर अनफिट रहते हैं. उन्हें ऐसा कप्तान चाहिए था जो सभी मैच खेलने के लिए फिट हो. इससे सूर्यकुमार यादव की तरफ पक्ष झुक गया होगा." लालचंद राजपूत ने हार्दिक पांड्या के टेस्ट खेलने पर कहा, "मैं उन्हें रेड बॉल क्रिकेट में भी देखना चाहूंगा. वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो तीनों फॉर्मेट में खेल का रुख बदल सकते हैं. वह अगर रेड बॉल क्रिकेट में अच्छा करते हैं तो टीम में अपनी अहमियत साबित कर सकते हैं।"

चेहरे पर चोट के बावजूद हार नहीं माने रवि बिश्नोई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के नए हेड कोच गौतम गंभीर, नए कप्तान सूर्यकुमार यादव और नए उपकप्तान शुभमन गिल के साथ पहली टी20 सीरीज खेलने श्रीलंका दौरे पर है। श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में भारतीय टीम का पहला मैच 27 जुलाई को खेला गया, जिसमें भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाया और इस मैच को बड़े अंतर से जीतने में कामयाब रही। इस मैच में रवि बिश्नोई के साथ एक ऐसा हादसा हुआ जिसे देखकर हर कोई दंग रह जाएगा। दरअसल, गेंदबाजी करते समय वह आंख पर चोट लगने से बाल-बाल बच गए। हालांकि, चोटिल होने के बाद भी उन्होंने गेंदबाजी की। रवि बिश्नोई ने शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ खेले गए पहले टी-20 मैच में एक ऐसा कैच पकड़ने की कोशिश की, जिसे देखकर हर कोई दांतों तले उंगली दबा ले। हालांकि, किस्मत ने साथ दिया और गेंद उनकी आंख को नहीं छू पाई, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। ये सब हुआ मैच के 16वें ओवर में, जब कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बिश्नोई को गेंद थमाई। श्रीलंका के बल्लेबाज कामिन्दु मेंडिस ने बिश्नोई की गुगली पर शॉट लगाया, लेकिन गेंद सीधी बिश्नोई की तरफ आई। बिश्नोई ने एक हाथ से इसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथ से छिटककर उनकी आंख के पास जा लगी. थोड़ी सी ऊपर होती तो उन्हें गंभीर चोट लग सकती थी। इस हादसे के बाद भी बिश्नोई हिम्मत नहीं हारे और वापसी करते हुए असलंका को आउट कर दिया।

विराट कोहली ने कहा कि रोहित शर्मा के 'भूलने' की आज भी नहीं बदली आदत

नई दिल्ली। भारत की वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के बारे में कई लोगों ने कहा है कि वह भुलक्कड़ हैं। रोहित शर्मा ने खुद इस बात को माना है। अभी तक रोहित की भूलने की आदत खत्म नहीं हुई है। इस बार रोहित एयरपोर्ट पर अपने बैग्स की संख्या भूल गए और कन्फ्यूज हो गए। उनका ये वीडियो इस समय गजब वायरल हो रहा है। रोहित टी20 वर्ल्ड कप-2024 की जीत के बाद छुट्टियां मनाने गए थे। वह पहले विंबलडन देखने गए थे और फिर वहां से घूमने के लिए अमेरिका निकल गए। ये विश्व विजेता कप्तान लौटकर मुंबई वापस आ गया है। लौटते समय ही रोहित भूल गए कि उनके पास कितने बैग हैं। रोहित शर्मा मैदान पर लंबे-लंबे छक्के लगाने के अलावा चीज़ों को भूलने के लिए भी जाने जाते हैं। रोहित शर्मा के भूलने की आदत को कई साल पहले विराट कोहली ने एक इंटरव्यू में उजागर किया था। किंग कोहली की बात समय के साथ अक्सर सही होती दिखाई दे जाती है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में रोहित शर्मा बहुत अहम चीज़ भूलते हुए दिख रहे हैं। वायरल वीडियो में रोहित अपनी वाइफ रितिका सजदेह और बेटी समायरा के साथ नज़र आए। रोहित शर्मा मुंबई एयरपोर्ट पर कार में अपनी फैमिली के साथ दिखाई दिए। इस दौरान रोहित शर्मा अपना बैग भूल गए। वीडियो में देखा जा सकता है कि कार में बैठते वक्त हिटमैन किसी से कहते हैं कि 7 बैग होने चाहिए। फिर कार में बैठने के बाद रोहित शर्मा एक बार फिर बैग की बात करते हैं, लेकिन इस बार वह 7 की बजाय 8 बैग बताते हैं। रोहित शर्मा के बैग भूलने की घटना को देखकर फैंस को विराट कोहली की बात याद आ गई। रोहित शर्मा की इस वायरल वीडियो पर एक यूज़र ने कहा कि चीकू (विराट कोहली) सही था। विराट कोहली ने 2016 के इंटरव्यू में कहा था कि जितनी चीजें.रोहित शर्मा भूलता है, उतना मैंने किसी को नहीं देखा। रोहित शर्मा आखिरी बार 29 जून को टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल खेलते हुए मैदान पर दिखाई दिए थे। हिटमैन ने टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के बाद टी20 इंटरनेशनल से संन्यास का एलान कर दिया था। अब एक महीने से ज्यादा के ब्रेक के बाद श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज़ के ज़रिए रोहित मैदान पर वापसी करेंगे। वनडे से पहले 3 मैचों की टी20 सीरीज़ खेली जा रही है। वनडे सीरीज़ का पहला मुकाबला 02 अगस्त, रविवार को तीनों मैच कोलंबो में खेला जाएगा।

विराट कोहली को पछाड़ टी20 के नए 'डॉन' बने सूर्यकुमार

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की टी20आई सीरीज़ का पहला मुकाबला बीते शनिवार को खेला गया। मुकाबले में टीम इंडिया ने 43 रनों से जीत हासिल की। इस मैच में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव की तरफ से धुआंधार बैटिंग देखने को मिली। इस धुंआधार बैटिंग के साथ सूर्या ने इतिहास रचते हुए दिग्गज विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। किंग कोहली को पछाड़ सूर्या टी20 इंटरनेशनल के नए 'डॉन' बन गए।

बता दें कि श्रीलंका के खिलाफ पहले मुकाबले में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 26 गेंदों में 8 चौके और 2 छक्कों की मदद से 58 रनों की पारी खेली। इस शानदार पारी के लिए सूर्या को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के खिताब से नवाज़ा गया। यह टी20 इंटरनेशनल में उनका 16वां 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब रहा. टी20 इंटरनेशनल में विराट कोहली ने भी 16 'प्लेयर ऑफ द मैच' के खिताब जीते. 16-16 खिताब जीतने के लिहाज से तो सूर्या ने किंग कोहली की बराबरी की है, लेकिन मैचों के हिसाब से सूर्या ने कोहली को पीछे छोड़ दिया है। विराट कोहली ने 125 मैचों में 16 'प्लेयर ऑफ द मैच' के खिताब अपने नाम किए हैं, जबकि सूर्या ने सिर्फ 69 मैचों में ही 16 'प्लेयर ऑफ द मैच' अवॉर्ड जीत लिए हैं।

'प्लेयर ऑफ द मैच' वाले खिलाड़ी

16 - सूर्यकुमार यादव (69 मैच)
16 - विराट कोहली (125 मैच)
15 - सिकंदर रज़ा (91 मैच)
14- मोहम्मद नबी (129 मैच)
14 - रोहित शर्मा (159 मैच)
14 - वीरनदीप सिंह (78 मैच)

ऐसा रहा भारत बनाम श्रीलंका के पहले टी20 का हाल

मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर बॉलिंग करने का फैसला किया था. पहले बैटिंग के लिए टीम इंडिया ने 20 ओवर में 213/7 रन बोर्ड पर लगा दिए. टीम के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सबसे बड़ी पारी खेली. इसके अलावा ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल ने भी धुआंधार बैटिंग का मुज़ाहिरा पेश किया. फिर लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका शुरुआत में तो बहुत मजबूत दिखाई दी, लेकिन अंत में टीम सिर्फ 170 रनों के स्कोर पर ऑलआउट हो गई.

सूर्यकुमार के मुरीद हुए अक्षर पटेल

नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने कहा कि टी20 टीम के नव नियुक्त कप्तान सूर्यकुमार यादव गेंदबाजों के कप्तान हैं क्योंकि वह उन्हें अपनी रणनीति के अनुसार चलने की स्वतंत्रता प्रदान करते हैं। अक्षर ने इसके साथ ही कहा कि श्रीलंका के खिलाफ वर्तमान श्रृंखला में भारतीय टीम बल्लेबाजी में अधिकतम संयोजन आजमाने की कोशिश करेगी। सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने श्रीलंका के खिलाफ शनिवार को पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 43 रन से जीत दर्ज करके शानदार शुरुआत की। अक्षर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा कि मैं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली श्रृंखला में सूर्या भाई (कप्तान) के साथ खेला था। मैं जानता था कि वह गेंदबाजों के कप्तान हैं। वह आपको अपनी रणनीति पर अमल करने की पूरी छूट देते हैं। अक्षर ने कहा कि जब भी आपकी गेंद पर शॉट लगता है तो वह आपके पास आकर कहते हैं कि यह अच्छी गेंद थी। वह आपको सलाह देते रहते हैं। एक खिलाड़ी के रूप में मेरे उनके साथ अच्छे संबंध हैं। अक्षर पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैच की टी20 श्रृंखला में भी सूर्यकुमार की कप्तानी में खेले थे। भारत ने यह श्रृंखला 4-1 से जीती थी। उन्होंने कहा कि मैं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैच की श्रृंखला में भी उनकी कप्तानी में खेला था और इसलिए आज जब मैं खेल रहा था तो मुझे ज्यादा अंतर महसूस नहीं हुआ। वह हमेशा गेंदबाजों का हौसला बढ़ाते रहते हैं। भारत ने टी20 विश्व कप में ऋषभ पंत को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा था लेकिन श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच में वह सूर्यकुमार के बाद चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे।

125 वर्ष की आयु में भगवान श्रीकृष्ण ने इधर धरती छोड़ी और उधर दबे पैर आ गया कलियुग

धर्मशास्त्रों के अनुसार दुर्भाग्य, बीमारी, कष्ट, संकट, ग्रह पीड़ा बाधा से मुक्ति के अलावा व्यक्ति को अपने स्वयं की बुद्धि की अस्थिरता व अपनी मानसिक एकाग्रता की प्राप्ति के लिए सदैव प्रयासरत रहना चाहिए। कहा भी गया है निरोगी काया और सबल मन रहने से व्यक्ति की उन्नति होती है। इसलिए आधि-व्याधि और उपरोक्त सभी कारणों से मुक्ति का एक उपय है और वो है जटाधारी शिव-शम्भू भगवान भोलेनाथ शिव का 'रोग नाशक, दुर्भाग्य नाशक महामृत्युंजय कवच'।

हाभारत के युद्ध के बाद श्रीकृष्ण ने 36 सालों तक द्वारका में राज किया था। गांधारी से मिले शाप के कारण श्रीकृष्ण को मानव शरीर त्यागकर धरती को छोड़कर वैकुंठ धाम लौटना पड़ा। श्रीकृष्ण ने जब इस धरती को छोड़ा, तो उनकी आयु 125 वर्ष थी। आइए, जानते हैं महाभारत में कब क्या-क्या हुआ था?

महाभारत का रक्तरंजित युद्ध ऐसा था, जिसने सब कुछ बदलकर रख दिया था। इस युद्ध से कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर लड़ने वाले योद्धाओं का जीवन ही नहीं बदला बल्कि जो रणभूमि से दूर रहने वाले लोगों में भी इस वीभत्स युद्ध को लेकर बहुत ही भय का माहौल बन गया था। पौराणिक कहानियों में महाभारत के बाद की घटनाओं का उल्लेख मिलता है कि कुरुक्षेत्र का युद्ध खत्म होने के बाद कैसे ऐसी विचित्र घटनाएं घटीं, जिसके बाद श्रीकृष्ण इस धरती से गए और कलियुग का आगमन हुआ। श्रीकृष्ण की मृत्यु के बाद पांडवों का मन भी धरती पर नहीं लगा। इसके अलावा वे अपने भाइयों और वरिष्ठजनों की हत्या को लेकर ग्लानि से भरे हुए थे। इस कारण पांडवों ने द्रौपदी सहित भूलोक को छोड़कर स्वर्ग जाने का निर्णय लिया था। आइए, जानते हैं महाभारत के युद्ध के बाद क्या-क्या हुआ और कलियुग कैसे आया।

महाभारत के युद्ध के बाद क्या हुआ

सभी जानते हैं कि महाभारत के युद्ध में पांडवों की जीत हुई थी लेकिन इसके बाद क्या हुआ था? क्या पांडव सुख से राज-पाट चलाकर सामान्य जीवन जीते रहे थे? और श्रीकृष्ण का क्या हुआ? चलिए, पौराणिक कहानियों के आधार पर आपको इस बात का जवाब देते हैं। कुरुक्षेत्र का युद्ध जीतने के बाद पांडव और द्रौपदी जब हस्तिनापुर पहुंचे, तो गांधारी और धृतराष्ट्र ने भारी मन के साथ पांडवों का राज्याभिषेक किया। धृतराष्ट्र और गांधारी को अपने 100 पुत्रों की मृत्यु की पीड़ा थी लेकिन जब श्रीकृष्ण ने उन्हें समझाया, तो धृतराष्ट्र और गांधारी ने पांडवों को आर्शीवार्द दिया।

श्रीकृष्ण को गांधारी से मिला शाप

गांधारी पांडवों से भी ज्यादा श्रीकृष्ण से नाराज थीं, क्योंकि गांधारी को पता था कि श्रीकृष्ण पहले से जानते थे कि महाभारत के युद्ध में सभी कौरव मारे जाएंगे, इसलिए अगर वे चाहते तो कुरुक्षेत्र के युद्ध को रोका जा सकता था लेकिन श्रीकृष्ण ने अर्जुन का सारथी बनकर उनका मार्गदर्शन किया। कृष्ण ने युद्ध को नहीं रोका। इस बात से गांधारी बहुत क्रोधित और दुखी थी। जब गांधारी श्रीकृष्ण को कोस रही थी, तो श्रीकृष्ण के मुख मंडल पर हल्की-सी मुस्कान थी। इस मुस्कान को देखकर गांधारी और भी कुपित हो गई और उन्होंने श्रीकृष्ण को शाप दिया कि जिस तरह उनके कुल का नाश हुआ। उसी तरह श्रीकृष्ण के पूरे कुल का भी नाश हो जाएगा। एक दुखियारी मां के मुंह से निकले शाप को श्रीकृष्ण ने स्वीकार कर लिया।

महाभारत के युद्ध के बाद श्रीकृष्ण 125 वर्षों तक धरती पर रहे

महाभारत के युद्ध के बाद पांडवों और द्रौपदी एक सामान्य जीवन जीने का प्रयास करने लगे लेकिन उनके मन से कभी भी अपने भाइयों और वरिष्ठजनों की हत्या की ग्लानि नहीं निकली। उन्हें बार-बार यही लगता था कि क्या इस राजपाट या सिंहासन को पाने के लिए ही उन्हें इतना रक्तरंजित युद्ध करना पड़ा? महाभारत के युद्ध के बाद पांडवों ने हस्तिनापुर के राज सिंहासन पर 35-36 वर्षों तक राज किया। श्रीकृष्ण ने भी द्वारका पर इतने ही समय के आसपास राज किया लेकिन फिर आसपास बढ़ती वीभत्स घटनाओं ने श्रीकृष्ण का मन भूलोक पर नहीं लग रहा था। वे जानते थे कि मानव देह को त्यागकर अब उन्हें वापस वैकुंठ धाम लौटना है।

श्रीकृष्ण को गांधारी से शाप मिला था कि उनके यदुवंश कुल का भी नाश होना ही है। श्रीकृष्ण जानते थे कि उनके इस धरती पर रहते हुए यह शाप पूरा नहीं हो सकता। श्रीकृष्ण को भविष्य की सारी घटनाएं पता थीं। कृष्ण यह भी जानते थे कि उनकी मृत्यु किसके हाथों से निश्चित है। पिछले जन्म में सुग्रीव के भाई रहे बाली ने द्वापर युग में एक बहेलिए के रूप में जन्म लिया और वन में विश्राम कर रहे श्रीकृष्ण पर भ्रम की स्थिति में आकर बाण छोड़ दिया। यह बाण कृष्ण जी के पैर में लगा और शरीर में विष फैलने की वजह से उनकी मृत्यु हो गई। भागवत पुराण के अनुसार श्रीकृष्ण जब भूलोक को छोड़कर गए थे, तो उनकी आयु 125 वर्ष थी। जब पांडवों तक श्रीकृष्ण की मृत्यु का समाचार पहुंचा, तो वे बहुत विचलित हो गए और उन्होंने राज-पाट छोड़कर इस धरती से जाने का मन बना लिया।

श्रीकृष्ण की मृत्यु के बाद 36 साल बाद आया था कलियुग

भागवत पुराण के अनुसार श्रीकृष्ण की मृत्यु 125 वर्ष की आयु में हुई थी। श्रीकृष्ण के द्वारा मनुष्य देह को त्यागने के बाद द्वारका में अव्यस्थता फैल चुकी थी। सभी नगरवासी मदिरा और नशीले पदार्थों के सेवन में धूत हो गए थे। समाज में अराजकता फैल चुकी थी। सभी लोग अपने स्वार्थ के चलते एक-दूसरे के प्रति घृणा, क्रोध और जलन जैसी नकारात्मक भावना रखने लगे थे। श्रीकृष्ण की मृत्यु के 36 वर्ष बाद कलियुग का आरम्भ हुआ था। समाज में फैलती बुराइयां कलियुग के दबे पैर आने की आहत थी। कलियुग ने दबे पैर आकर समाज में अपना राज स्थापित कर दिया।

राम नाम है 'तारक' और कृष्ण नाम है 'पारक'

कृष्ण और राम भगवान के नाम हैं और हरे भगवान की उर्जा है। जब हम इस महामंत्र का जप करते हैं तो भगवत् कृपा प्राप्त करने के साथ ही हमारे अन्दर की आन्तरिक उर्जा में वृद्धि होती है। जन्माष्टमी पर महामंत्रों का जप करने से व्यक्ति के कई दुख दूर होते हैं।

कृष्ण नाम की महिमा राम नाम की महिमा के समान है। राम नाम को 'तारक' और कृष्ण नाम को 'पारक' कहा जाता है। जहां एक ओर राम नाम मुक्ति प्रदान करता है, वहीं दूसरी ओर कृष्ण नाम प्रेम का दाता होने के कारण प्रेम भक्ति प्रदान करता है। श्रीकृष्ण और श्रीराम भगवान विष्णु के अवतार हैं, धर्मशास्त्रों के अनुसार त्रेता में जो राम थे, वही द्वापर में कृष्ण हुए। कलयुग में प्रभु का नाम दु:खों को दूर करता है, जन्माष्टमी के दिन 'हरे कृष्णा, हरे कृष्णा, कृष्णा कृष्णा, हरे हरे, हरे राम, हरे राम, राम राम हरे हरे' महामंत्र का जप अवश्य करें। कृष्ण और राम भगवान के नाम हैं और हरे भगवान की उर्जा है। जब हम इस महामंत्र का जप करते हैं तो भगवत् कृपा प्राप्त करने के साथ ही हमारे अन्दर की आन्तरिक उर्जा में वृद्धि होती है।

जैसे भौतिक संसार में पुरूष और स्त्री होते हैं, ठीक वैसे ही भगवान मूल पुरूष हैं और उनकी उर्जा (प्रकृति) मूल स्त्री हैं। विज्ञान की भाषा में उर्जा के सिद्धांत अनुसार जन्माष्टमी जैसे शुभ मुहूर्त में मंत्र का जाप, अनुष्ठान करने से भक्त के जीवन का कलह क्लेश रूपी नकारात्मक उर्जा सकारात्मक उर्जा में परिवर्तित हो जाती है।

मन की सारी वृत्तियां ही मानव कष्टों का मूल कारण है। जन्माष्टमी पर

व्रत, तप, उपासना द्वारा मन की वृत्तियों को नियंत्रित करने से कष्ट, पीड़ा दूर होती है। मन का अज्ञान, अंधेरा मिटना ही जन्माष्टमी का अध्यात्मिक संदेश है। प्रत्येक मनुष्य के अन्दर दुर्योधन और अर्जुन वृत्तियां निवास करती हैं। जब हम व्रत-उपवास का नियमपूर्वक पालन करते हैं तो हमें जीवन के संघर्षों में विजय दिलाने भगवान किसी न किसी रूप में स्वयं आते हैं, केवल शर्त इतनी है कि हमें दुर्योधन वृत्ति का त्याग कर अर्जुन वृत्ति को विकसित करना होगा। अर्जुन जीवात्मा है और भगवान श्रीकृष्ण परमात्मा है, मानव मन जिसमें वृत्तियों का युद्ध हो रहा है, कुरूक्षेत्र है। श्रीमद्भगवत् गीता के अन्तिम श्लोक के अनुसार जहां योगेश्वर श्रीकृष्ण हैं और जहां धनुर्धर अर्जुन हैं, वहीं समृद्धि, विजय एवं सुख का निवास है। संपन्न जीवन के लिए जन्माष्टमी पर कृष्ण उपदेश को आत्मसात करना चाहिए।

भारतीय ऋषि परंपरा के सुप्रसिद्ध गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री आर्यभट्ट

आचार्य आर्यभट्ट ने आधुनिक खगोल एवं गणित के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया। ज्योतिष का क्रमबद्ध इतिहास आर्यभट्ट के समय से प्राप्त होता है। आर्यभट्ट द्वारा सूर्य और तारों के स्थिर होने तथा पृथ्वी के घूमने के कारण दिन-रात होने के बारे में भी उल्लेख किया गया है। आइए जानते हैं आर्यभट्ट का ज्योतिषशास्त्र में क्या योगदान है-

वेदांग ज्योतिष के ग्रंथकार आचार्य लगध के बाद एक लम्बा कालखण्ड रिक्त मिलता है, इसके बाद आचार्य आर्यभट्ट का उल्लेख ज्योतिषीय इतिहास में प्राप्त होता है। आचार्य आर्यभट्ट को आधुनिक विज्ञान के प्रतिपादक आचार्य के रूप में स्मरण किया जाता है। आर्यभट्ट ऐसे विद्वान हुए हैं, जिन्होंने गणित, खगोल, गणितीय अंक पद्धति इत्यादि विषयों पर अनेक सूत्र प्रदान किए हैं। इनकी रचना ने ज्योतिष एवं खगोल जगत में एक क्रांति का कार्य किया है। इनके सूत्रों पर अनेक शोधकार्य संपादित किए गए हैं। आर्यभट्ट ने 1, 2,3 आदि अंक संख्याओं के द्योतक क, ख, ग आदि वर्ण कल्पना किए हैं, अर्थात् अ, आ इत्यादि स्वर वर्ण और क,ख, ग, आदि व्यंजन वर्णों का 1-1 संख्यावाचक अर्थ देकर बड़ी-बड़ी संख्या को प्रकाशित किया है। आर्यभट्ट ने सूर्य और चन्द्र ग्रहण के वैज्ञानिक कारणों की व्याख्या की है। प्राचीन काल में यह पौराणिक मान्यता थी, कि राहु-केतु नामक दैत्य सूर्य, चन्द्रमा पर ग्रहण लगाते हैं। सर्वप्रथम आचार्य आर्यभट्ट इस तत्व को अपने ग्रंथ में स्पष्ट करते हैं कि चन्द्रमा जब अपनी कक्षा में घूमता हुआ पृथ्वी की छाया में प्रवेश करता है, तो हमें दिखाई नहीं देता है जिसे चन्द्र ग्रहण कहते हैं और जब पृथ्वी तथा सूर्य के मध्य चन्द्रमा आ जाता है तो सूर्य का अदर्शन होने से सूर्य ग्रहण होता है। आर्यभट्ट द्वारा सूर्य और तारों के स्थिर होने तथा पृथ्वी के घूमने के कारण दिन-रात होने के बारे में भी उल्लेख किया गया है। सामान्यतया दो आर्यभट्ट प्रसिद्ध हुए हैं, प्रथम आर्यभट्ट, उसके बाद द्वितीय आर्यभट्ट जिन्होंने महासिद्धान्त नामक ग्रंथ को लिखा। आर्यभट्ट प्रथम की प्रसिद्धि के कारण जब भी आर्यभट्ट कहा जाता है, तो उसे सामान्तया आर्यभट्ट प्रथम ही समझा जाता है। आर्यभट्ट प्रथम की रचनाओं के संदर्भ में तीन रचनाऐं उपलब्ध होती हैं, आर्यभट्टीयम, आर्यभट्ट सिद्धान्त तथा एक पुस्तक जिसका अरबी में अनुवाद हुआ था, अलन्त? या अलनन्फ, इसका संस्कृत में कोई नाम प्राप्त नहीं होता। एक फारसी विद्वान और भारतीय इतिहासकार के रूप में विख्यात अलबरूनी द्वारा इस ग्रंथ का उल्लेख किया गया है। इन तीनों ग्रंथों में केवल आर्यभट्टीयम नामक ग्रंथ ही वर्तमान में सर्वत्र उपलब्ध है, जिसके चार अध्याय दशगीतिका पाद, गणित पाद, कालक्रिया पाद तथा गोलपाद के नाम से प्रसिद्ध हैं।

सोने के 5 दिव्य तीर जिनसे भीष्म करना चाहते थे पांडवों का वध

दुर्योधन की एक गलती ने पलट दिया महाभारत का पूरा इतिहास

महाभारत में भीष्म के सोने के तीरों की कहानी- महाभारत की एक कहानी के अनुसार भीष्म पांडवों को युद्ध के 11वें दिन ही मार देते लेकिन दुर्योधन की गलती ने पांडवों की मौत को टाल दिया और महाभारत का पूरा इतिहास बदल गया। महाभारत की यह कहानी भीष्म के पांच सोने के बाणों से जुड़ी हुई है। इन सोने के तीरों को भीष्म ने पांडवों के लिए अभिमंत्रित किया था। आइए, जानते हैं महाभारत की कहानी।

महाभारत में पांडवों के साथ श्रीकृष्ण थे, इसलिए पांडवों की शक्ति कौरवों से कहीं ज्यादा बढ़ गई थी। कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर श्रीकृष्ण ने प्रत्यक्ष रूप से शस्त्र नहीं उठाएं लेकिन अर्जुन का सारथी बनकर श्रीकृष्ण युद्ध भूमि में अर्जुन का मार्गदर्शन करते रहे। दूसरी तरफ कौरवों के साथ श्रीकृष्ण की नारायणी सेना थी। भीष्म जैसे और भी कई योद्धा कौरवों को शक्तिशाली बनाने के लिए काफी थे लेकिन अक्सर मन में यह सवाल उठता है कि जो भीष्म हजारों योद्दाओं पर अकेले भारी थे, तो पांडवों के सामने उनका बल आधा कैसे रह गया? क्या भीष्म ने जानबूझकर अपनी पूरी शक्ति लगाकर पांडवों का अंत नहीं किया? या फिर कैसा कौन-सा कारण था, जिसकी वजह भीष्म पांडवों का वध नहीं कर सके। महाभारत में इससे जुड़ी एक कहानी मिलती है। महाभारत की इस कहानी के अनुसार दुर्योधन की एक गलती की वजह से महाभारत का पूरा खेल पलट गया था। आइए, जानते हैं महाभारत की वो कहानी।

प्रधान सेनापति भीष्म 10 दिनों तक पांडव सेना पर पड़े भारी

कौरवों के प्रधान सेनापति भीष्म 10 दिनों तक पांडव सेना पर भारी पड़े थे। भीष्म इतने निपुण योद्धा थे कि एक ही दिन में हजारों सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया करते थे लेकिन दुर्योधन भीष्म पितामहा से खुश नहीं था क्योंकि कहीं न कहीं उसे ऐसा लगता था कि भीष्म जानबूझकर पांडवों का साथ देते हैं और उन्हें मारना नहीं चाहते। यही सोचकर दुर्योधन को भीष्म से सीधे बात करने का विचार आया। यही सोचकर दुर्योधन भीष्म के शिविर में पहुंचा।

दुर्योधन ने भीष्म को याद दिलाई कर्तव्यनिष्ठा

दुर्योधन भीष्म के पास पहुंचा, तो भीष्म चिंतनशील होकर शिविर में बैठे थे। यूं आधी रात को दुर्योधन को अपने शिविर में प्रवेश करते देख भीष्म हैरान हुए। उन्होंने दुर्योधन से शिविर में आने का कारण पूछा, तो दुर्योधन ने गुस्से में कहा पितामहा! आपके अन्याय के कारण मैं आधी रात को आपके शिविर में आने के लिए विवश हुआ हूं। आप अगर पूरी कर्तव्यनिष्ठा के साथ पांडवों के साथ युद्ध करते, तो शायद मुझे यहां नहीं आना पड़ता। 10 दिन हो चुके हैं लेकिन आप अभी तक पांडवों को पराजित नहीं कर पाए हैं। मुझे तो लगता है कि आप केवल लड़ने का अभिनय कर रहे हैं। आपको आज भी पांडवों से प्रेम है और आप मेरे खेमे में रहते हुए भी मेरे शत्रु बने हुए हैं। दुर्योधन के मुख से ऐसी बात सुनकर भीष्म बहुत दु:खी हो गए।

भीष्म ने मंत्रों की शक्ति से तैयार किए पांच सोने के तीर

दुर्योधन के मुख से कटु वचन सुनकर भीष्म को हस्तिनापुर राज्य के प्रति अपनी कर्तव्यनिष्ठा का एक बार फिर से स्मरण हो गया। भीष्म ने अपनी शस्त्र विद्या का प्रयोग करते हुए सोने के पांच तीर निकाले और इसे अभिमंत्रित करके बोले- दुर्योधन! तुम व्यर्थ में मेरी कर्तव्यनिष्ठा पर संदेह करते हो। मैं कल एक ही दिन में पांचों पांडवों को इन बाणों से समाप्त कर दूंगा। फिर पांडवों मे मरते हुए युद्ध का परिणाम तुम्हारे पक्ष में आने लगेगा। भीष्म पितामहा की बात सुनकर दुर्योधन प्रसन्न हुआ लेकिन फिर भी उसके मन से संदेह नहीं गया।

दुर्योधन ने भीष्म से मांग लिए सोने के तीर

दुर्योधन भीष्म की बातों को सुनकर प्रसन्न तो हुआ लेकिन खुद छल-कपट में माहिर रहे दुर्योधन को भीष्म की बातों में भी छल-कपट ही नजर आया। दुर्योधन ने भीष्म से कहा- पितामहा! आपकी योजना बहुत अच्छी है लेकिन मुझे फिर भी संदेह हो रहा है कि कहीं आप फिर से पांडवों के प्रति प्रेम और भावनाओं में आकर अपने कर्तव्य से विमुख न हो जाओ। मुझे संदेह है कि युद्ध के अंतिम पलों में जब आपके पास पांडवों को मारने का पूरा अवसर होगा, तो आप अपने बाणों को रोक सकते हो, इसलिए मुझे आप मुझे ये बाण दे दो। मैं युद्ध भूमि पर आपको ये पांचों बाण लौटा दूंगा। तब आप मेरे सामने पांडवों का वध कर देना। दुर्योधन की बात सुनकर भीष्म ने पांचों अभिमंत्रित बाण दुर्योधन को दे दिए। दुर्योधन अपनी जीत पर बहुत खुश था लेकिन उसे नहीं पता था कि आगे जाकर यही भूल उस पर कितनी भारी पड़ने वाली है।

भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को बताया मृत्यु से बचने का मार्ग

भगवान श्रीकृष्ण भीष्म के सोने के बाण के रहस्य को जानते थे। भीष्म के शिविर के पास पहरा दे रहे एक गुप्तचर ने भी श्रीकृष्ण को आकर इस बात की सूचना दी। इस बात को सुनकर श्रीकृष्ण तुंरत ही अर्जुन के शिविर में पहुंचे और उसे पूरी घटना बताई। श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि पार्थ! तुम दुर्योधन से वे पांचों बाण मांग लो। श्रीकृष्ण की बात सुनकर अर्जुन ने हैरानी से कहा कि दुर्योधन भला वो तीर अर्जुन को क्यों देगा? तब श्रीकृष्ण ने अर्जुन को याद दिलाया कि एक बार अर्जुन ने दुर्योधन को यक्ष और गंधर्वो के हमले से बचाया था, तब दुर्योधन ने प्रसन्न होकर अर्जुन से कहा था कि वो कोई भी कीमती चीज दुर्योधन से मांग सकता है। उस दिन अर्जुन ने बात को टालते हुए दुर्योधन से कुछ नहीं मांगा था। अर्जुन को श्रीकृष्ण की बात याद आ गई और वे दुर्योधन के शिविर में पहुंचा। अर्जुन ने दुर्योधन से वही पांच बाण मांगे लेकिन दुर्योधन ने अर्जुन को मना कर दिया। तब अर्जुन ने दुर्योधन को उस घटना को याद दिलाते हुए अपना क्षत्रिय धर्म निभाने के लिए कहा। ये सुनकर दुर्योधन ने पांचों बाण अर्जुन को दे दिए। इस तरह भीष्म ने बाण लेने की गलती दुर्योधन पर भारी पड़ी और पांडवों की मौत टल गई।

हॉलीवुड में काम करना चाहती हैं तृप्ति डिमरी

फिल्म 'एनिमल' में भाभी 2 का किरदार निभाकर तृप्ति डिमरी ने जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की है। इस फिल्म में तृप्ति ने रणबीर कपूर संग जमकर इंटीमेट सीन दिए थे। तृप्ति को 'नेशनल क्रश' का टैग भी मिला। फिल्म की सफलता के बाद तृप्ति के पास कई प्रोजेक्ट की लाइन लगी हुई है। तृप्ति डिमरी हाल ही में विक्की कौशल और एमी विर्क के साथ फिल्म 'बैड न्यूज' में नजर आई हैं। इस फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया है। वहीं अब तृप्ति डिमरी ने हॉलीवुड फिल्मों में जाने की इच्छा जताई है।

चर्चा है कि तृप्ति पश्चिमी फिल्म उद्योगों में उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए एक एजेंट की तलाश कर रही हैं और वह किसी फिल्म में एक छोटा सा हिस्सा लेने के लिए भी तैयार हैं, जो उनके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। तृप्ति डिमरी ने कहा, यदि मुझे कहीं एक छोटा सा किरदार भी मिल जाता है तो मुझे लगेगा कि यह वाकई मददगार होगा, क्योंकि मुझे हॉलीवुड के अभिनेताओं के काम करने का तरीका बहुत पसंद है। तृप्ति ने कहा, प्रियंका चोपड़ा मेरी हमेशा से ही इंस्पीरेशन रही हैं। जो उन्होंने ग्लोबल लेवल पर अपनी पहचान बनाई है। बिल्कुल वैसे ही मैं हॉलीवुड की दुनिया में अपनी पहचान बनाना चाहती हूं। वो काफी कॉन्फिडेंट नजर आती हैं, जिस तरह से उन्होंने अपनी राह बनाई है। तृप्ति डिमरी के वर्क फ्रंट की बात करें तो अब वह 'भूल भुलैया 3' में कार्तिक आर्यन के साथ नजर आने वाली हैं।

तुषार की वेब सीरीज दस जून की रात इस दिन जियो सिनेमा पर होगी स्ट्रीम

बॉलीवुड एक्टर तुषार कपूर और प्रियंका चाहर चौधरी जल्द ही कॉमेडी थ्रिलर सीरीज 'दस जून की रात' में नजर आने वाले हैं। रानीगंज शहर पर आधारित, यह सीरीज हंसी और कॉमेडी पेश करने का वादा करती है। हाल ही में इस सीरीज का ट्रेलर रिलीज हुआ है। ट्रेलर में देखा जा सकता है कि इस सीरीज में तुषार कपूर का किरदार भाग्येश के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसे लोग पनौती भी समझते हैं, क्योंकि जब वह पैदा हुए तो थिएटर बंद हो गया और स्कूल गए तो छत गिर गई। वहीं, अब पनौती का एकमात्र सपना अपने थिएटर को फिर से खोलना और अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाना है। वेब सीरीज दस जून की रात ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर 4 अगस्त को स्ट्रीम होने वाली है। इस सीरीज को तबरेज खान ने निर्देशित किया है। इसे सचिन मोहिते ने जसवंद एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले निर्मित किया गया है। एकता कपूर इसकी सह-निर्माता हैं।

श्वेता तिवारी ने बाथरूम से शेयर की हॉट तस्वीरें

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी 43 साल की उम्र में भी अपनी हॉट एंड ग्लैमरस तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचा देती हैं। श्वेता का स्टाइलिश अंदाज देखकर कहना मुश्किल है कि वह दो बच्चों की मां हैं। हॉटनेस के मामले में श्वेता अपनी बेटी पलक तिवारी को भी मात देती नजर आती हैं। श्वेता ने हाल ही में बाथरूम से अपनी कुछ किलर तस्वीरें शेयर की है। श्वेता बाथरोब पहने सिजलिंग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। तस्वीरों में श्वेता वॉश बेसिन पर बैठे एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज दे रही है। वह अपने टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही है। श्वेता ने ग्लॉसी मेकअप और खुले बालो के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया है। एक्ट्रेस का यह हॉट अंदाज देख फैंस मदहोश हो गए हैं।

आदित्य धर ने किया अपनी मेगा बजट फिल्म का ऐलान

पावरहाउस रणवीर सिंह अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट के लिए तैयार है। रणवीर ने अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए 'उरी' के डायरेक्टर आदित्य धर संग हाथ मिलाया है। इस प्रोजेक्ट को लेकर लंबे समय से चर्चा हो रही थी, जिसका अब आधिकारिक ऐलान हो गया है। इस फिल्म की शानदार कास्ट में संजय दत्त, आर. माधवन, अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल जैसे कलाकारों उनके साथ अहम रोल में होंगे।

इसका निर्माण जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज द्वारा किया जाएगा। यह राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता आदित्य धर की रिकॉर्ड तोड़ ब्लॉकबस्टर 'उरी-द सर्जिकल स्ट्राइक' के बाद दूसरी बड़ी फीचर पिक्चर होगी। फिल्म के नाम का ऐलान फिलहाल नहीं किया गया है। आदित्य धर ने 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के साथ 350 करोड़ की कमाई करने वाले पहले डेब्यू डायरेक्टर के रूप में इतिहास रच दिया था। वहीं सुपरहिट रोमांटिक कॉमेडी 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में अपने शा नदार अभिनय के बाद यह रणवीर सिंह की अगली बड़ी फीचर फिल्म हैं। ऐसे में अपनी पीढ़ी के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक, 'कैमेलियन-किंग' रणवीर से उम्मीद की जा रही हैं कि वो आदित्य धर के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म अपना बेस्ट देंगे। कुछ हफ्ते पहले इंडस्ट्री में इस डायरेक्टर-एक्टर जोड़ी को लेकर चर्चा शुरू हुई थी, जिससे सभी एक्साइटेंड हो उठे ये सोचकर कि यह जोड़ी बॉक्स-ऑफिस पर क्या धमाल मचा सकती है!

तमन्ना-विजय का हुआ ब्रेकअप?

बॉलीवुड से एक और रिश्ता टूटने की खबर आ रही है। कहा जा रहा है कि फेमस कपल तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा दोनों के ब्रेकअप की खबरें आ रही हैं। इसे सुनकर दोनों के फैंस काफी हैरान हो रहे हैं। दोनों के अलग होने से सोशल मीडिया पर खलबली मची हुई है और यूजर्स ब्रेकअप के सबूत भी दे रहे हैं। कहा जा रहा है कि ये अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा की राह पर चल पड़े हैं। कुछ समय पहले अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की धमाकेदार ग्रैंड वेडिंग हुई थी। इस वेडिंग में पूरे बॉलीवुड के शिरकत की थी। इसमें पावर कपल कहे जाने वाले तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा भी पहुंचे थे। दोनों बड़े इवेंट्स में पार्टी में साथ ही नजर आते हैं। मगर दोनों अंबानी वेडिंग में अलग-अलग पहुंचे थे। कपल का ऐसे अलग-अलग आना फैंस को पसंद नहीं आया और ऐसे में दोनों के ब्रेकअप की खबरों ने तूल पकड़ लिया। तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा काफी समय से साथ में नजर भी नहीं आए हैं। खबर ये भी है कि दोनों का शेड्यूल काफी बिजी चल रहा है, पर अब दोनों के ब्रेकअप की खबरें तेजी से फैल रही है। फैंस इस खबर के बाद बेहद परेशान भी हो रहे हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि आज कल बॉलीवुड में ब्रेकअप भी खबरें ज्यादा आ रही हैं।

राहा के जन्म से पहले मौत मुझे नहीं डराती थी : रणबीर कपूर

रणबीर कपूर एक शानदार अभिनेता होने के साथ-साथ बेहतरीन पति और पिता भी हैं। वे अक्सर अपनी बेटी राहा के साथ अपने अनोखे रिश्ते के बारे में बात करते नजर आते हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने राहा के जन्म के बाद अपने-आप में हुए बदलावों के बारे में जिक्र करते नजर आए। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट एक प्यारी सी बेटी के माता-पिता हैं।

अपनी बिटिया के बारे में बातें करते हुए रणबीर कहते हैं, 'राहा के आ जाने से मेरी जिंदगी में सब कुछ बदल गया है। जब मैंने राहा को पहली बार अपनी गोद में लिया था वह पल मेरी जिंदगी का सबसे अनमोल पल था। मैं बता नहीं सकता हूं कि मैंने क्या महसूस किया'। रणबीर कपूर अपनी बात जारी रखते हुए हैं, 'सच कहूं तो मैं एक इंसान के तौर ओर काफी बदल गया हूं। राहा के जन्म से पहले मुझे मौत से नहीं डर लगता था। मैं सोचता था 70 साल के बाद मैं मर जाऊंगा, लेकिन अब मुझे लगता है यह तो काफी कम समय है। मैं उसके साथ और समय बिताना चाहता हूं'। रणबीर कपूर अपनी बेटी पर जान छिड़कते हैं। रणबीर कहते हैं, 'मैं राहा के जन्म के बाद सिगरेट पीना छोड़ दिया। मैं अपने-आप काफी बदलाव देखता हूं। मुझे ऐसा लगता है कि राहा के जन्म के बाद मेरा भी दूसरा जन्म हुआ है'। रणबीर कपूर आगे कहते हैं, 'कभी-कभी मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो लगता है कि मैंने पिछले 40 साल को जीया ही नहीं है। मैंने राहा के होने बाद जिंदगी को जीना शुरू किया है। वह मेरी जिंदगी का सबसे अहम हिस्सा है।

आयशा टाकिया ने किसान के साथ मॉल में हुए भेदभाव पर तोड़ी चुप्पी

एक्ट्रेस आयशा टाकिया ने बेंगलुरु में एक किसान के साथ एक मॉल में हुए भेदभाव पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि एक किसान को धोती पहनने के कारण मॉल में प्रवेश नहीं दिया गया, यह बेहद शर्मनाक है। इंस्टाग्राम पर आयशा के 17 लाख फॉलोअर्स हैं। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें एक किसान फकीरप्पा को देखा जा सकता है, जिसे बेंगलुरु के मगदी रोड पर जीटी वर्ल्ड मॉल में सिर्फ इसलिए नहीं घुसने दिया गया क्योंकि उसकी वेशभूषा देसी थी और उसने धोती पहनी हुई थी। कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा, "यह बहुत परेशान करने वाला है। क्या पश्चिमी पहनावे का ज्यादा सम्मान और महत्व है? क्या हम अपने ही लोगों का अनादर करते हैं और उन्हें तिरस्कृत करते हैं क्योंकि वे हमारे ही लोगों के कपड़े पहनते हैं? एक विविध संस्कृति वाले देश में जहां अद्भुत परंपराएं गहराई तक रची-बसी हैं, हम अपने ही लोगों के साथ भेदभाव करते हैं।" बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका ने 16 जुलाई को हुई इस घटना के बाद बकाया कर का भुगतान न करने पर मॉल को सील कर दिया और किसान की घटना के बारे में स्पष्टीकरण मांगते हुए एक नोटिस जारी किया। मॉल प्रबंधन से घटना के बारे में 24 घंटे के भीतर बयान देने के लिए कहा गया था। फकीरप्पा अपने बेटे नागराज और पत्नी मल्लम्मा के साथ जब कन्नड़ फिल्म देखने मॉल गए थे तो उनके पहनावे के कारण उन्हें अंदर जाने से रोक दिया गया था। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में गुस्सा देखा गया। मॉल प्रबंधन और सुरक्षा गार्ड ने इस मामले में माफी मांगी है।

Film Review : द यूपी फाइल्स, जानदार और असरदार है मनोज जोशी, मंजरी फडनीस स्टारर सिनेमा

फिल्म समीक्षा : 'द यूपी फाइल्स'
कलाकार : मनोज जोशी, मंजरी फडनिस, अवतार गिल, अली असगर, शाहबाज खान, मिलिंद गुणाजी, अमन वर्मा, अशोक समर्थ
निर्देशक: नीरज सहाय
निर्माता : कुलदीप उमराव सिंह ओस्टवाल
अवधि : 2 घण्टे 2 मिनट
रेटिंग : 3 स्टार्स

बॉलीवुड में इन दिनों रियल स्टोरीज से प्रेरित सिनेमा का चलन जोरों पर है। 26 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई हिंदी फिल्म 'द यूपी फाइल्स' भी सच्ची घटनाओं से प्रेरित फ़िल्म है जिसमें प्रमुख भूमिका मनोज जोशी ने निभाई है। साथ ही मंजरी फडनिस और मिलिंद गुणाजी सहित कई बेहतर कलाकारों से यह फ़िल्म सजी हुई है। श्री ओस्टवाल फिल्म्स की फिल्म 'द यूपी फाइल्स' भारत के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर बनी है और इस फिल्म में मनोज जोशी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका निभाई है। यह फिल्म उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने पर आदित्यनाथ के सामने आने वाली राजनीतिक मुश्किलों पर विस्तार से नज़र डालती है। मनोज जोशी ने इस किरदार में अपना सौ प्रतिशत दिया है। चाहे वह बॉडी लैंगुएज हो, डायलॉग डिलीवरी हो, चेहरे का हाव भाव हो सभी मे उन्होंने प्रभावित किया है। वह यूपी को बदलने के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हैं और राज्य से भ्रष्टाचार, गुंडाराज खत्म करने का संकल्प लेते हैं। उनके अभिनय में एक संतुलन दिखाई देता है। इस सिनेमा में सीएम योगी आदित्यनाथ से इंस्पायर्ड मनोज जोशी के चरित्र का नाम अभय सिंह दिखाया गया है। लेकिन 'यूपी फाइल्स' को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बायोपिक भी नहीं

कही जा सकती है। इस रियलिस्टिक फ़िल्म में एक भ्रष्ट डीजीपी का रोल शाहबाज खान ने निभाया है वहीं मंजरी फडनीस ने एक ईमानदार और कठोर पुलिस वाली की चुनौती भरी भूमिका को बखुबी जिया है। जब वह यह संवाद अदा करती हैं कि सुजाता मेनन नाम है मेरा, मैं पहले एक्शन लेती हूं। तो उनके बोलने का अंदाज़ और इंटेंसिटी दमदार डायलॉग में झलकती है। उन्होंने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और अपने किरदार में संघर्ष एवं संजीदगी का मिश्रण लाने में सफल रही हैं जो कहानी में ट्विस्ट भी लाती हैं। फ़िल्म के संवाद इसके हाइलाइट्स हैं। मनोज जोशी जब यह डायलॉग बोलते हैं 'हम शास्त्र भी जानते हैं और शस्त्र चलाने वालों पर अंकुश लगाना भी जानते हैं। तो सिनेमाहॉल तालियों से गूंज उठता है। मनोज जोशी द्वारा अदा किया गया एक और संवाद भी बहुत असरदार है कि बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान की कद्र, न एक इंच इधर न एक इंच उधर। नीरज सहाय का निर्देशन फिल्म को बांधे रखता है। उन्होंने एक पॉलिटिकल ड्रामा को बड़ी कुशलता से संभाला है। फ़िल्म का कैमरा वर्क उत्तर प्रदेश की लोकेशन को बखूबी पेश करने में सफल रहा है। फिल्म के सिचुएशनल गीतों का संगीत दिलीप सेन ने दिया है और डांस मास्टर गणेश आचार्य हैं। विष्णु निषाद द्वारा किया गया आर्ट डायरेक्शन और प्रोडक्शन डिज़ाइन अच्छा है। वास्तविकता के एकदम करीब इस फ़िल्म को शानदार अभिनय और कुशल निर्देशन के लिए देखा जाना चाहिए।

सिक्किम का राज्यपाल बनने पर ओम माथुर को दी बधाई

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर तथा भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित त्यागी ने सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर से दिल्ली स्थित उनके आवास पर मुलाकात की।

सिक्किम के राज्यपाल बनाये जाने पर श्री नागर तथा श्री त्यागी ने उनको बधाई दी तथा शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया।

इस अवसर पर श्री माथुर ने भाजपा नेताओं के साथ केन्द्रीय बजट तथा अन्य मुददों पर चर्चा की।

सनवर्ल्ड वनालिका में हुआ पौधारोपण

नोएडा (चेतना मंच)। रविवार को संनवर्ल्ड वनालिका, सेक्टर 107 मे बच्चों से वृक्षरोपण कार्यक्रम के तहत 100 पेड़ लगाये गये।

संनवर्ल्ड वनालिका सोसाइटी एओए की उपाध्यक्ष मोनिका चौहान ने बताया कि पौधारोपण करने वाले सभी प्रतिभागियों से हमने आग्रह किया है कि वह अपने द्वारा लगाए गए पौधे के पालक भी बने। जैसे जैसे बच्चें बड़े होंगे वैसे वैसे पौधे बढ़कर पेड़ बनेगें और पर्यावरण को शुद्ध करेंगे।

मोनिका चौहान ने बताया कि ऐसा ही एक और कार्यक्रम 15 अगस्त को सोसाइटी के युवक व युवतियों द्वारा माँ के नाम पेड़ लगाकर सम्पन्न किया जायेगा। सोसाइटी सेकेट्री हेमंशु नारंग, जॉइंट सेकेट्री नितिन बंसल आदि ने बच्चों का उत्साह वर्धन किया। शीतल, ताहिरा, पूनम चौहान, रतना रॉय, शिल्पी बंसल, असीम भार्गव, बालेश्वर शर्मा आदि के सहयोग से ये कार्यक्रम सफल रहा।

'विद्या के भरोसे' ट्रस्ट ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

नोएडा (चेतना मंच)। 'विद्या के भरोसे' ट्रस्ट के द्वारा 'इंडो गल्फ हॉस्पिटल' नोएडा के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या मे लोगों ने परीक्षण और परामर्श का लाभ लिया, जिसमे सबसे अधिक मधुमेह, उच्च रक्तचाप, और थायोराइड से पीड़ितों का पता चला।

डॉक्टरों ने कहा कि आज की दौड़भाग भरी जिन्दगी में योग व्ययाम और नियमित जाँच अति आवश्यक है। गलत खान-पान, और फास्ट फूड पर संयम जरुरी है। ट्रस्ट ने कहा कि चिकित्सा शिविर का आयोजन समय-समय पर विभिन्न जगहों पर लगाए जाएंगे।

रालोद के राष्ट्रीय महासचिव से मिले किसान, ज्ञापन सौंपा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष जनार्दन भाटी के आवास पर आज राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी का आगमन हुआ। वहीं पर किसान सभा के जिला संगठन के किसानों ने पहुंचकर राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी को संबोधित अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा।

किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर व महासचिव जगबीर नंबरदार ने ज्ञापन देते हुए त्रिलोक त्यागी को बताया कि इस क्षेत्र के किसानो ने पिछले दो वर्षों से किसान सभा के नेतृत्व में आंदोलन किया उसी का नतीजा है कि मुख्यमंत्री को एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन करना पड़ा। कमेटी के सम्मुख हमने अपनी मांगों को रखा। हमारी इन मांगों को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सम्मुख रखें।

राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष जनार्दन भाटी ने कहा कि जब हम विपक्ष में थे तो हमने किसानों के आंदोलन में पूर्ण रूप से सहयोग किया आज हम सरकार का हिस्सा हैं हम किसानों की सभी मांगों को हर सूरत में हल कराने का प्रयत्न करेंगे।

इस मौके पर मुख्य रूप से रामेश्वर सरपंच, मनोज चौधरी, सुरेंद्र यादव, रोहित गुर्जर, अजीत दौला, मनवीर भाटी, धनंजय भाटी, हरवीर सिंह तालान, सुरेंद्र पंडित, हितेंद्र प्रधान दुष्यंत रौजा, रामदेव रावल, नीरज शर्मा, विनीत भाटी, मोहित भाटी आदि किसान मौजूद रहे।

'मन की बात' कार्यक्रम को सुनते हुए सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा। साथ में उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन तथा अन्य पदाधिकारी। फोटो : चेतना मंच

ब्रह्म एकता सम्मेलन की तैयारी को लेकर बैठक

ब्राह्मण कल्याण बोर्ड व परशुराम जयंती पर अवकाश रहेगा मुख्य मुद्दा

नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा की एक बैठक ग्राम पाली औरंगाबाद बुलंदशहर के दिव्यानंद इंटरनेशनल स्कूल में संपन्न हुई। बैठक में सर्व समिति से निर्णय लिया गया कि आगामी 15 सितंबर को खुर्जा में होने वाले ब्रह्म एकता सम्मेलन में ब्राह्मण कल्याण बोर्ड के गठन तथा भगवान परशुराम की जयंती अक्षय तृतीया पर सार्वजनिक अवकाश की मांग को मजबूती से उठाया जाएगा।

बैठक को संबोधित करते हुए महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा ने बताया कि ब्रह्म एकता दिवस में हिमाचल के राज्यपाल, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र प्रसाद, गौतम बुद्ध नगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा व अलीगढ़ के सांसद सतीश गौतम ने अपने आने की स्वीकृति दे दी है। इनके अलावा आसपास के जिलों के विधायकों और प्रदेश के मंत्रियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। सभी दलों के ब्राह्मण नेताओं को भी आमंत्रित किया जायेगा।

इस मौके पर ब्राह्मणों के हक के लिए बहुत सारे निर्णय लिए जायेंगे।

बैठक का संचालन लखावटी इंटर कॉलेज के पूर्व प्राचार्य पी के शर्मा द्वारा किया गया। बैठक में ब्रह्म एकता दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सेवानिवृत प्राचार्य पीके शर्मा के नेतृत्व में 11 सदस्यीय कमेटी का भी गठन किया गया।

बैठक में महासभा के प्रदेश महामंत्री परमानंद शर्मा, दादरी नगर अध्यक्ष मांगेराम शर्मा, गौतम बुद्ध नगर के कोषाध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा, प्रदेश सचिव रामवीर शर्मा, लखन राज शर्मा, गिरिराज शर्मा पाली, राजकुमार शर्मा, प्रमोद शर्मा, योगेश शर्मा , महेश शर्मा पाली, राम अवतार शर्मा, अनिल शर्मा, लक्ष्मी नारायण, जितेंद्र शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सेक्टर-20 में श्री शिव महापुराण कथा सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। श्री हनुमान मंदिर, सेक्टर-20 में श्री शिव महापुराण कथा में कथा वाचिका कनक लता कनक ने धूमधाम से भगवान भोलेनाथ की शादी मैया पार्वती से कराई एवं सभी भक्तों से पार्थिव शिव लिंग की पूजा भी करवाई।

इस अवसर पर कथा में मुख्य अतिथि के रूप में शोहरतगढ़ के विधायक विनय वर्मा, कालका पीठाधीश्वर के प्रतिनिधि योगी राजकुमार नाथ, राष्ट्रीय सचिव सोमेश भारद्वाज, विश्व हिंदू महासंघ की दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पिंकी सिंह तोमर, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज गुप्ता, फोनरवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा उपस्थित रहे।

कथा विश्राम पर भगवान की आरती कर आशीवार्द लिया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक राधा कृष्ण गर्ग, अध्यक्ष सुधीर चन्द्र पोरवाल, मनोज गोयल साइकिल वाले, डॉ शैलेंद्र पोरवाल, इला पोरवाल, अमित पोरवाल, राज कुमार अग्रवाल,अमित अग्रवाल, अनिल गोयल, नवीन पोरवाल, संदीप पोरवाल, धरमवीर बंसल, मयंक पोरवाल, सुरेन्द्र गर्ग, राकेश खंडेलवाल, राजेन्द्र पोरवाल खोरा, मनोज गुप्ता, सुशीला शर्मा, विनय गुप्ता, विधा गर्ग, अर्चना पोरवाल, रूवी गुप्ता, पूनम गुप्ता एडवोकेट, ऋतु सिन्हा, इंदू यादव, गुडिया, मुनेश त्यागी, शोभा तिवारी, नीलम गर्ग, ज्योति पोरवाल, मीनू पोरवाल, सुनील पोरवाल, मनोज पोरवाल, माधुरी पोरवाल, मोहिनी पोरवाल, शिखा पोरवाल, आशा गुप्ता आदि बहुत माताओं बहिनों भईयों ने अमृत कथा का श्रवण किया।

मयूर स्कूल ने योग प्रतियोगिता में जीते 21 एवार्ड

नोएडा (चेतना मंच)। इंडस वाली पब्लिक स्कूल में जिला स्तर पर योग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें ज़िलेभर से लगभग 40 स्कूलों ने हिस्सा लिया। दो दिन चली प्रतियोगिता में मयूर स्कूल ने बाजी मारी।

प्रथम स्थान पर रहते हुए मयूर स्कूल ने अवार्ड की झड़ी लगा दी। 21 अवार्ड जीतकर मयूर स्कूल प्रथम स्थान पर रहा। स्कूल की योगा टीचर सिमरन सहगल ने बताया कि मिताक्षी गुप्ता, आन्या जैन, साहरीश खान, ज़ोबीया खान, निष्ठां चौधरी, अंशी, काशवी, अनिशा, आन्या, वंशिका, सुगंध, वंश, वेदिका, सेहर कौर, दर्श, मिलन सिंह आदि सभी बच्चों ने अवार्ड जीते। 7 गोल्ड, 7 सिल्वर 7 ब्रोज़ जीतकर मयूर स्कूल ने गौतमबुद्ध जिले में इतिहास रच दिया।